बाधो, मास , वर्ष-10, अंक 178, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज मंगलवार 24 सितम्बर, 2024

TM

नगर संस्करण

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

10 वर्ष विश्वास के

नगर पालिका में आए 22 शिकायतो का हुआ निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। 30प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से निस्तारण के

लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को नगर पालिका परिषद सोनभद्र में रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद सोनभद्र एवं विजय कुमार यादव अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। तत्क्रम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 3, नगर पंचायत घोरावल में 2, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 3, नगर पंचायत ओबरा में 0, नगर पंचायत रेनुकूट में 2, नगर पंचायत पिपरी में 1, नगर पंचायत दुद्धी में 4, नगर पंचायत डाला बाजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 4, समस्त निकायों को मिलाकर कुल 22 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। विजय कुमार यादव, अधिशासी अधिकारी/नोडल अधिकारी, नगर पालिका परिषद सोनभद्र द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है। इस दौरान जेई मनीष कुमार, सभासद अनवर अली, शन्त सोनी,विमलेश, अजीत सिंह, सुजीत, आकाश सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

चिकित्सकों के लापरवाही से युवक की हुई मौतःआरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सोमवार को जिला अस्पताल परिसर में इलाज में हुई लापरवाही से युवक की मौत को लेकर परिजनों द्वारा लापरवाही दर्शाते हुए विरोध प्रदर्शन कर एडीएम सहदेव मिश्रा को ज्ञापन देकर संबंधित मामले की जांच कर कर दोषियों पर कार्रवाई की गुहार लगाई । वही रविकान्त जिलध्यक्ष आजाद समाज पार्टी सोनभद्र ने बताया कि घटना 22.09 को समय करीब 8.30 बजे रात को ग्राम-धुवास कलां थाना-राबर्ट्सगंज निवासी गुड्डू पुत्र स्व0 चन्दुल व उसकी पतनें को अभियुक्तगणों द्वारा मारा-पीटा गया जिसमें गुड्डू को गम्भीर अन्दरूनी चोटे आयी थी। 112 नम्बर पुलिस द्वारा अपने वाहन पर लादकर प्रार्थी गुड्डू तथा उसकी पतनें को इमरजेन्सी में भर्ती कराया गया था जिसकी दवा-इलाज इमरजेन्सी में चल रहा था। पीडित गुड्डू को शाम से ही पेट में काफी दर्द हो रहा था। पीडित तथा पीडित की पत्नी बार-बार डाक्टरों

को निवेदन कर रहे थे परन्तु डाक्टर द्वारा घोर लापरवाही किया गया, सिर्फ नर्सों के सहारे छोड़ दिया गया जिसके कारण पीडित गुड्डू पुत्र स्व0 चन्दुल की मृत्यु आज सुबह करीब 9.00 बजे हो गयी। जिला संयुक्त चिकित्सालय लोढ़ी के डाक्टरों के लापरवाही के कारण आये दिन जिला अस्पताल में इस तरह की घटना होती रहती है। जिला अस्पताल के डाक्टर बीमारी की गम्भीरता को लेकर कोई विशेष ईलाज नही करते है और न ही पीडित को रेफर करते है जिसके कारण आये दिन इस तरह की घटना घटित होती रहती है। जिला अस्पताल में रोगी और पीडित की मृत्यु होती रहती है। आजाद समाज पार्टी के तरफ से उक्त मामले की सूचना के ध्यान में लायी जा रही है तथा आजाद समाज पार्टी द्वारा यह मांग किया जा रहा है कि उच्च स्तरीय कमेटी गठित कर उक्त प्रकरण एवं घटना की जाँच करायी जाय तथा दोषी डाक्टरों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाय तथा सभी लापरवाह डाक्टरों का स्थानान्तरण कर अन्य डाक्टरों को जिला अस्पताल में तैनात किया जाय, जिससे सोनभद्र की जनता एवं आम जनमानस का दवा-इलाज सुचारू रूप से हो सकें।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रॉबर्ट्सगंज पर आयुष्मान भारत दिवस मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सोमवार को नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र राबर्ट्सगंज पर आयुष्मान भारत दिवस मनाते हुए आयुष्मान पखवाडा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रूबी प्रसाद, नगर पालिका अध्यक्ष, अजीत रावत, ब्लाक प्रमुख राबर्ट्सगंज, द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया इस दौरान मुख्य अतिथि द्वारा वहां मौजूद 70 वर्ष पूर्ण कर चुके व्यक्तियों में आयुष्मान कार्ड वितरित किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथियों ने बताया कि प्रधापनमंत्री ने आयुष्मान भारत प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना का रांची से शुभारम्भ किया गया था। जिसकी छूप् वर्षगांठ सोमवार को प्रत्येक विधान सभावार राजकीय चिकित्सालय पर आयुष्मान भारत दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत आगामी कुछ माह में 70 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का भी आयुष्मान कार्ड बनाया जायेगा। बीते 20 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 तक आयुष्मान पखवाडा का आयोजन किया गया है। जिसमें समस्त सी.एच0सी0 पर आयुष्मान कार्ड

अभियान के तहत बनाया जाना है। उक्त दिवस पर आयुष्मान कार्ड लाभाथिर्यों को कार्ड वितरण किया गया। नये लाभाथिर्यो का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। मरीजो की हाईपरटेंशन एवं डायबिटीज की जॉच की गई है वही कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आर जी यादव द्वारा समस्त सम्मानित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया। इस दौरान कृष्ण मुरारी गुप्ता पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष (कार्यक्रम संयोजक), संतोष शुक्ला, जिला मंत्री कुसुम शर्मा क्षेत्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा, पुष्पा सिंह जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा, सरोज देवी मण्डल अध्यक्ष महिला मोर्चा, डा0 राधे गोविन्द यादव, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, डा0 संजीव कुमार वर्मा, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, डा0 जगदीश प्रसाद सिंह, प्रभारी चिकित्साधिकारी न0प्रा0 स्वा0 केन्द्र सोनभद्र, राकेश कुमार कननैजिया, अर्बन हेल्थ कोआर्डिनेटर, राहुल कुमार कननैजिया एफ0एल0सी0, डा0 सन्हा मंजूल, जिला कार्यक्रम समन्वयक, आयुष्मान भारत, मनोज कुमार, फार्मासिस्ट न0प्रा0 स्वा0केन्द्र राबर्ट्सगंज, अन्य स्वास्थ्य कार्यकत्री, आंगनबाडी एवं आम जनमानस द्वारा प्रतिभाग किया गया।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

कम्प्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (COPA)

COPA कोर्स सभी प्रकार की नौकरियों जैसे-

पुलिस विभाग (कम्प्यूटर आपरेटर)

रक्षा मंत्रालय (DRDO) भारत सरकार मुद्रण विभाग, राजकीय आई.टी.आई. इंस्ट्रक्टर, स्वास्थ्य विभाग और सभी सरकारी विभागों, बैंक / प्रतिष्ठानों के लिए मान्य यह प्रमाणपत्र O-Level के समकक्ष है।

श्री सी.पी. पाण्डेय

प्रभारी निरीक्षक डायल 112, उ.प्र. पुलिस

विशेष - ये कोर्स रेलवे द्वारा निकाली जाने वाली कम्प्यूटर ऑपरेटर की रिक्तियों के लिए मान्य है।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

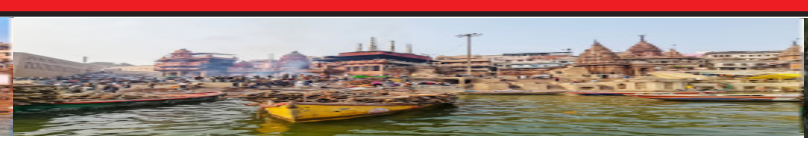

दीक्षा-आरंभ कार्यक्रम में छात्रों ने आदर्श नागरिक बनकर राष्ट्र निर्माण हेतु संकल्प लिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी आपके नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र ङ में नव-प्रवेशित छात्रों हेतु दीक्षा आरंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन महेन्द्र अरोरा जी ने सभी छात्रों को दीक्षा प्रदान करते हुए उन्हें एक आदर्श व्यक्ति बनकर राष्ट्र निर्माण हेतु योगदान प्रदान करने हेतु संकल्प भी दिलवाया इस अवसर पर सभी को अवगत कराया गया कि इस संस्थान का उद्देश्य युग मानव निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थापित करना है जो एक आदर्श कौशल विकास कार्यक्रम द्वारा ही संभव है। कौशल विकास कार्यक्रम को बनाना है , जिससे भारत द्वारा विश्वगुरु के रूप में विश्व में शान्ति, एकता व समृद्धि की स्थापना की जा सके ।इस अवसर पर मुख्य रूप से संस्थान की ट्रस्टी महेंद्र अरोड़ा मा.साकिब जी, श्री कौसर खान जी सहित आदि लोग उपस्थित रहे सभी अथितिजनों ने छात्रों को बैग,टी शर्ट, परिचय पत्र एवं शैक्षणिक सामग्री वितरित कर उन्हें उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान कर प्रोत्साहित किया।

दो दिवसीय सत्संग का समापन हुआ.श्री राम आराधन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। नैनी प्रयगराज मे दिव्य ज्योति जागृती संस्थान दो दिवस अभिनंदन हाल श्री आशुतोष महाराज जी दिव्य ज्योति जागरण सेवा समिति द्वारा सत्संग का समापन हुआ. आज, यह धारणा प्रबल हो गई है कि ईश्वर को देखना व्यावहारिक रूप से असंभव है। और, हमारे मन में यह मोटी दीवार पारंपरिक विचारों और पूर्वाग्रहों से समर्थन प्राप्त करके बढ़ती जा रही है। वास्तव में, इसे बस एक जोरदार प्रहार की आवश्यकता है, और असंभव स्वयं कहने के लिए मजबूर हो जाता हैः मैं संभव हूँ! यह शक्तिशाली प्रहार पूर्ण आध्यात्मिक गुरुओं (सत्गुरुओं) द्वारा किया जाता है, जो ईश्वर का अनुभव करने के बारे में मानव जाति के बीच मानसिक बाधाओं को तोड़ने के लिए पृथ्वी पर अवतरित होते हैं! ऐसा हर युग में होता है। और, यह आज भी हो रहा है! दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के संस्थापक और प्रमुख दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी, ब्रह्मज्ञान (ईश्वर-साक्षात्कार का शाश्वत विज्ञान) के माध्यम से ईश्वर के व्यावहारिक अनुभव को मानव जाति तक पहुँचा रहे हैं, साथ ही शाश्वत संदेश की भावना को कायम रखते हुए कि ईश्वर को देखा जा सकता है! इस सत्संग मे विश्वनाथा नन्द को कोऑर्डिनेटर दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान श्री राम जी राम गुप्ता.नीरज तिवारी. डी. के सिंह. इंद्रदेव पांडे. दीप्ति चड्ढा. रजनीश चड्ढा. अजय केशरवानी.राज नाथ. वीरेंद्र. अजय. लक्ष्मी. किरन. अथव. 'नेहा. नम्रता आदि।

स्वधा हॉस्पिटल में महिलाओं के लिए 'गायनेकोलॉजी-विभाग' का हुआ शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। जसवन्तनगर।अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस स्वधा हॉस्पिटलठ जसवन्तनगर में अब महिला रोगों से संबंधित 'गायनेकोलॉजी' विभाग पूरी क्षमता के साथ शुरू हो गया है। महिला रोगियों विशेषकर प्रसव के लिए महिलाओं को अब कहीं भटकने या किसी बड़े हॉस्पिटल में जाने की जरूरत नहीं है। चौधरी सुघर सिंह ग्रुप आफ इंस्टिट्यूशन द्वारा संचालित ठस्वधा हॉस्पिटल ठकी डायरेक्टर डॉ अंजली यादव ने जानकारी देते बताया है कि 21 सितंबर को हॉस्पिटल मे गायनेकोलॉजी विभाग के शुभारंभ के साथ ही क्षेत्र के ग्राम सिरसा निवासी प्रसूता भावना ने एक स्वस्थ बेटी को जन्म दिया। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर्स टीम ने भावना का सफल बड़ा ऑपरेशन कर डिलीवरी करवाई गई। जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। डॉ अंजलि ने बताया कि आपरेशन हॉस्पिटल की महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर्स टीम ने सफलता पूर्वक किया। उन्होंने बताया कि हॉस्पिटल टीम द्वारा प्रसव, गर्भ की जांच, प्रजनन और यौन स्वास्थ्य सेवाएं आधुनिक उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के तहत प्रदान की जाने लगी है। प्रसव और प्रसवोत्तर की उच्च स्तरीय सुविधाएं ठस्वधा हॉस्पियलठ में अब उपलब्ध है। यह चिकित्सीय सुविधाएं 24 घंटे उपलब्ध होंगी। आधुनिक ऑपरेशन थिएटर व नवजात शिशुओं के लिए ठबेबी वार्मर न्यूनेटल केयरठ सुविधा भी उपलब्ध है।प्रसूति गृह में प्रसव के लिए नॉर्मल डिलीवरी एवं ऑपरेशन दोनो ही सुविधाये जरूरत के अनुसार उपलब्ध है। स्वधा हॉस्पिटल में जनरल मेडिसिन, गायनेकोलॉजी, पीडियाट्रिक्स((बाल रोग), ऑर्थोपेडिक,यूरोलॉजी, सर्जरी आदि छह विभाग पूरी क्षमता से काम करने लगे है। उनके विशेषज्ञ डॉक्टरस 24 घंटे उपलब्ध रहते हैं। हॉस्पिटल पूर्णतःवातानुकूलित है और जनरल तथा प्राइवेट दोनों ही वार्ड बेहतर व्यवस्था के साथ उपलब्ध है।

प्रदूषित इस पर्यावरण को, फिर से पवित्र बनाएं,आओ सब मिलकर वृक्ष लगाए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान अरैल नैनी प्रयागराज द्वारा आज दिनांक - 22.09.2024 रविवार को नीरज पाण्डेय के नेतृत्व में सुरियाभीट गांव में सरस्वती परिवार की टीम द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम कर वृक्ष लगाएं गये। उन्होंने कहा कि आज हमारे पर्यावरण को संरक्षित करने हेतु वृक्ष लगाने की अत्यंत आवश्यकता है, जिससे जीवन जीना सुगम हो सकें। संस्थान के प्रमुख कुंवर जी तिवारी ने कहा कि पिछले वर्षों में हम सबने कोरोनाकाल में आक्सीजन की कमी का अनुभव किया और आज हमारे सामने कुम्भ की तैयारियों की वजह से पेड़ों की कटाई की एक भयावह स्थिति खड़ी हैं,जिसकी भरपाई करने हेतु हम सबको भारी से भारी मात्रा में वृक्षारोपण करने की आवश्यकता है। इसलिए प्रत्येक प्राणी को अपने जीवन मे दो-चार पेड़ अवश्य लगाने चाहिए। क्योंकि अंतिम संस्कार में भी एक पेड़ हम अपने साथ लेकर जाते हैं।कार्यक्रम में सर्वश्री मनीष पांडेय, धीरज यादव, सहदेव चौरसिया, सुनील कुशवाहा,डां.एस.बी.यादव, संदीप केसरवानी, आत्म प्रकाश यादव, विनोद गुरानी,सौरभ यादव, कार्तिकेय तिवारी, आर्यन यादव, विनायक पाण्डेय, उज्जवल यादव,सनी यादव, गौरव यादव, निर्मल कुशवाहा, तुलसी तिवारी आदि उपस्थित रहे।

धर्म के नाम पर धंधा, पार्क को बनाया कमाई का अड्डा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नैनी, प्रयागराज। सार्वजनिक रामलीला कमेटी के नाम पर बेहिसाब चंदा वसूली हो रही है। कमेटी के एक पदाधिकारी द्वारा धर्म के नाम पर धंधा किया जा रहा है। पार्क को व्यवसायिक स्थल में बदल दिए जाने के कारण स्थानीय निवासी बहुत दुखी और परेशान हैं। श्रमिक बस्ती, नैनी, ब्लॉक संख्या 1से 18 के बीच में स्थित रामलीला मैदान की भूमि श्रम विभाग की संपत्ति है। धर्म की आड़ में इस सरकारी जमीन का व्यावसायिक उपयोग सार्वजनिक रामलीला कमेटी के एक पदाधिकारी के द्वारा किया जा रहा है। मॉर्निंग वॉक के लिए बनाई गई रोड पर समिति के बड़े-बड़े चौकी वाले वाहन खड़े कर दिए गए हैं। जिसकी वजह से रास्ता बंद हो जाता है। रामलीला के नाम पर आम जनता की धार्मिक भावनाओं के साथ खुला खिलवाड़ किया जा रहा है। स्थानीय जनता द्वारा भारी विरोध किए जाने के कारण अब यहां पर रामलीला की जगह महाभारत होने की आशंका बढ़ गई है। लोगों का कहना है की रामलीला कमेटी के पदाधिकारी पहले चीनी मिल, नैनी बाज़ार में रामलीला कराया करते थे। वहां से बहिष्कृत कर दिए जाने के बाद श्रमिक बस्ती रामलीला मैदान में धर्म की आड़ में धंधा कर रहे हैं। चंदा वसूली का कोई हिसाब नहीं रखा जाता। रामलीला की आड़ में श्रमिक बस्ती नैनी के इस पार्क पर अवैध रूप से कब्जा कर दिया गया है। फूल पत्तियां पेड़ पौधे सब नष्ट कर दिए गए। पैदल पथ के चारों तरफ रामलीला की चौकियों के वाहन खड़े कर दिए गए हैं। इस रामलीला पार्क में पहले शाम को बच्चे खेलते हैं। बुजुर्ग लोग पैदल घूमते हैं। पार्क में आए दिन मीना बाजार लगवा दिया जाता है। हस्तशिल्प मेले के नाम पर जुए का अड्डा चलवाया जाता है। दुकानदारों से गुंडा टैक्स वसूली की जाती है।कमशिय्ल दुकाने सेल के खोल कर बिक्री कराई जाती है। इससे होने वाली अवैध कमाई को लेकर बंदरबांट होती है। भ्रष्टाचार का खुला खेल चल रहा है। समिति के पदाधिकारी के द्वारा, सार्वजनिक चंदे से जो चौकियां बनाई गई है। उन चौकियों को जगह-जगह भाड़े पर दिया जाता है। भाड़े से आने के बाद उनको फिर इसी पार्क मिलकर खड़ा कर देते हैं।किराए पर भेजी जाने वाली चौकियों को पार्क करने का एक तरह से अड्डा बना दिया गया है। क्षेत्र की पूर्व पार्षद नीलम यादव ने आरोप लगाया है कि इस पार्क में सुन्दरीकरण और विकास कार्य वधित होते है। पार्क में सालों भर इनका कब्जा होता है। श्रृंगार चौकी इसी पार्क में खड़े करके कब्जा किया गया है। जिससे कि आम जनता को परेशानी होती है। इधर मात्र एक ही पार्क है। जिसमे लोग और बच्चे आते है। लोगों का विरोध भगवान से नही, उनके नाम यानी धर्म के नाम पर वसूली करने वालो से है । अगर धर्म की आड़ में पार्क कब्जा करने के कार्य से बाज नही आये तो पीआईएल दाखिल की जाएगी।

DURGAWATI INTERNATIONAL SCHOOL & COLLEGE
URGENT REQUIREMENT
TRAINED & EXPERIENCED TEACHERS
FOR CLASSES VI to XII
SUBJECTS - ENGLISH, MATHS, S.ST , SCIENCE & COMPUTER
RESIDENCE FACILITY ALSO AVAILABLE FOR TEACHERS
Walk in Interview on 23-06-2024
Interested Candidates can send their Resume on the given contacts
Candidate should hold fluent English Communication Skill along with the qualified degrees
For more details Contact on: 7505561664, 9415017879

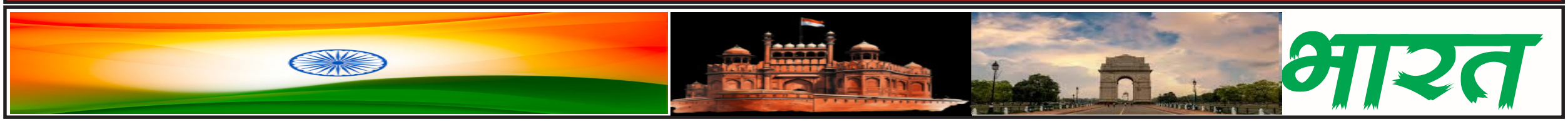

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति दिसानायके को दी जीत की बधाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने एक्स पर कहा, 'श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनावों में जीत पर दिसानायके को बधाई। श्रीलंका भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और विजन सागर में एक विशेष स्थान रखता है। मैं हमारे लोगों और पूरे क्षेत्र के लाभ के लिए हमारे बहुमुखी सहयोग को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम

करने के लिए उत्सुक हूं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अनुरा कुमारा दिसानायके को श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में जीत के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि वह भारत-लंका बहुआयामी सहयोग को और मजबूत करने के लिए दिसानायके के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं। श्रीलंका के चुनाव आयोग ने दूसरे दौर की गिनती के बाद मार्क्सवादी नेता दिसानायके को राष्ट्रपति चुनाव का विजेता घोषित किया। मार्क्सवादी जनता विमुक्ति पेरामुना पार्टी के व्यापक मोर्चे नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के नेता 56 वर्षीय दिसानायके ने सामगी जन बालवेगया (एसजेबी) के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी साजिथ प्रेमदासा को हराया। निवर्तमान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे वोट सूची में शीर्ष दो में आने में विफल रहने के बाद पहले दौर में ही बाहर हो गए।दिसानायके को बधाई देते हुए पीएम मोदी ने एक्स पर कहा, 'श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनावों में जीत पर दिसानायके को बधाई। श्रीलंका भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और विजन सागर में एक विशेष स्थान रखता है। मैं हमारे लोगों और पूरे क्षेत्र के लाभ के लिए हमारे बहुमुखी सहयोग को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।जीत के बाद दिसानायके ने कहा, सदियों से हमने जो सपना संजोया है, वह आखिरकार सच हो रहा है। यह जीत किसी एक व्यक्ति की मेहनत का नतीजा नहीं है। बल्कि लाखों लोगों का सामूहिक प्रयास है। आपकी प्रतिबद्धता हमें यहां ले आई है और इसके लिए मैं हृदय से आभारी हूं। ये जीत हम सबकी है। उन्होंने आगे कहा, यहां हमारी यात्रा उन अनेक लोगों के योगदान से प्रशस्त हुई है, जिन्होंने इस मकसद के लिए अपना पसीना, आंसू और यहां तक कि अपना जीवन भी दे दिया। उनके बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता।

तिरुमाला में चार घंटे चला अनुष्ठानिक शुद्धिकरण; लड्डू में चर्बी के आरोपों के बाद से मचा है बवाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मंदिर सूत्रों ने सोमवार को बताया कि वाईएसआरसीपी शासन के दौरान तिरुमाला मंदिर में हुए कथित अपवित्र काम को सुधारने के लिए चार घंटे का होने

वाला शांति होमं पंचगव्य प्रोक्षणा (अनुष्ठानात्मक शुद्धिकरण) चल रहा है।तिरुपति बालाजी मंदिर हिंदुओं के लिए सबसे पवित्र स्थानों में से एक है। हालिया एक लैब रिपोर्ट से पता चला था कि मंदिर का प्रसाद बनाने में जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल होता है। यह जानकारी सामने आने के बाद लगातार विवाद बना हुआ है। अब मंदिर को फिर से पवित्र करने के लिए अनुष्ठानिक शुद्धिकरण किया जा रहा है। मंदिर सूत्रों ने सोमवार को बताया कि वाईएसआरसीपी शासन के दौरान तिरुमाला मंदिर में हुए कथित अपवित्र काम को सुधारने के लिए चार घंटे का होने वाला शांति होमं पंचगव्य प्रोक्षणा (अनुष्ठानात्मक शुद्धिकरण) चल रहा है। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के एक सूत्र ने इस बात की पुष्टि की। बताया कि यह अनुष्ठान सुबह छह बजे शुरू हुआ और सुबह 10 बजे तक चला। इसका उद्देश्य भगवान वेंकटेश्वर स्वामी को खुश करना है। टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी जे श्यामला राव ने रविवार को कहा कि ये अनुष्ठान श्रीवारी भक्तों की भलाई के साथ-साथ लड्डू प्रसादम की पवित्रता को बहाल करेंगे। आंध्र में जून में सत्ता परिवर्तन हुआ था। जिसके बाद चंद्रबाबू नायडू की पार्टी सत्ता में वापस आई है। मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद चंद्रबाबू नायडू ने मंदिर के लड्डुओं में मिलावट की आशंका जाहिर की थी। जिसके बाद मंदिर प्रशासन ने सप्लाई किए गए घी के सैंपल लेकर जांच के लिए गुजरात स्थित डेयरी विकास बोर्ड की लैब 'सेंटर ऑफ एनालिसिस एंड लर्निंग इन लाइव स्टॉक एंड फूड' भेजे थे।

बिहार के 12 जिलों में बाढ़ से मची तबाही, हिमाचल प्रदेश में गर्मी के साथ उमस बढ़ी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बिहार के भागलपुर जिले में बाढ़ का पानी रेलवे पुल के गर्डर तक पहुंचने के कारण कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ा है। कई ट्रेनों के मार्ग भी बदलने पड़े हैं।

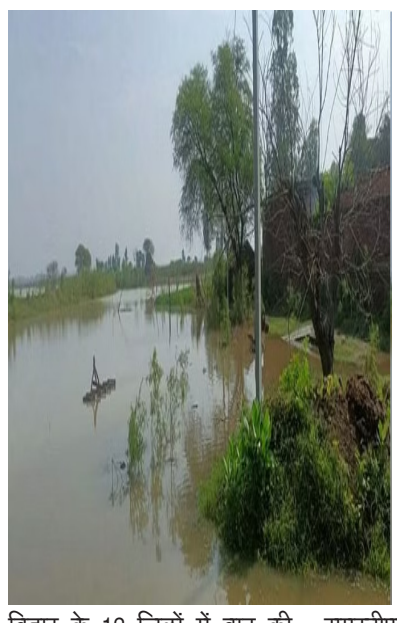

बिहार के 12 जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है। इन जिलों में 12.67 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। हालांकि, पटना समेत कुछ स्थानों पर गंगा नदी का जल स्तर कम होना शुरू हो गया है, लेकिन कई नदियां उफान पर है। निचले इलाकों में पानी भरा हुआ है। उधर, हिमाचल प्रदेश में बारिश का दौर थमने के साथ ही रविवार को कई ठंडे इलाकों का तापमान बढ़ गया। प्रदेश के सबसे ठंडे क्षेत्र केलांग का पारा 27 डिग्री के पार पहुंच गया। बिहार आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) की तरफ से रविवार को जारी बयान में कहा गया है कि गंगा नदी के किनारे वाले 12 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। निचले इलाके में रहने वाले 12.67 लाख जलभराव से प्रभावित हुए हैं। इन जिलों में 361 पंचायतों पर प्रभाव पड़ा है। इन जिलों में प्रशासन की तरफ से राहत और बचाव कार्यों में 1,400 नावों को लगाया गया है। आठ राहत शिविर लगाए गए हैं जहां बाढ़ प्रभावित लोगों को रखा जा रहा है। प्रभावित जिलों में बक्सर, भोजपुर, सारण, वैशाली, पटना, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, मूंगेर, खगडिया, भागलपुर और कटिहार शामिल हैं।बिहार के भागलपुर जिले में बाढ़ का पानी रेलवे पुल के गर्डर तक पहुंचने के कारण कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ा है। कई ट्रेनों के मार्ग भी बदलने पड़े हैं। पूर्व मध्य रेलवे ने एक बयान में कहा कि बाढ़ का पानी सुल्तानगंज और रतनपुर स्टेशनों के बीच पुल संख्या 195 के गर्डर को छूने लगा है। संभावित खतरे को देखते हुए जमालपुर-भागलपुर मंडल से गुजरने वाली कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया और कई के मार्ग में बदलाव किया गया है।

पुलिस मुठभेड़ में मारा गया कुख्यात अपराधी राजा, बसपा नेता आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या में था शामिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राजा पहले जाने माने व्यापारियों को धमकी देने, उनका अपहरण कर पैसे की मांग करने जैसे अपराधों में शामिल था। धीरे-धीरे वह अपराध की दुनिया में मशहूर होने लगा और फिर उसे अपराधों की ए-प्लस सूची में स्थान दिया गया। तमिलनाडु के चेनन्ई

में एक कुख्यात हिस्ट्रीशीटर को अक्करई इलाके में पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया गया। आरोपी को सीजिंग राजा के नाम से भी जाना जाता था। रविवार को पुलिस ने उसे बसपा नेता की हत्या के मामले में आंध्र प्रदेश से पकड़ा। पुलिस हिरासत से भागने का प्रयास करने के दौरान उसे मार गिराया गया। यह मुठभेड़ उसे चेनन्ई लाने के दौरान हुई। चेंगलपट्टू का रहने वाला राजा एक कुख्यात गैंगस्टर था। छोटे-मोटे अपराध कर उसने अपराध की दुनिया में कदम रखा। राजा पहले जाने माने व्यापारियों को धमकी देने, उनका अपहरण कर पैसे की मांग करने जैसे अपराधों में शामिल था। धीरे-धीरे वह अपराध की दुनिया में मशहूर होने लगा और फिर उसे अपराधों की ए-प्लस सूची में स्थान दिया गया। चेनन्ई में यह एक हफ्ते के भीतर दूसरी और आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या के बाद तीसरी मुठभेड़ है। फिलहाल इस मामले में ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है। राजा के खिलाफ 30 मामले दर्ज थे, जिसमें हत्या, हत्या की कोशिश, जबरन वसूली और अपहरण भी शामिल थे। उसके खिलाफ 33 मामले लंबित थे। बहुजन समाज पार्टी के नेता आर्मस्ट्रान्ग की हत्या में वह मुख्य आरोपियों में से एक था। इससे पहले 18 सितंबर को मुठभेड़ में अपराधी कक्का थोप्पू बालाजी को चेनन्ई के व्यासरपडी इलाके में मार गिराया गया था। वह 58 मामलों में आरोपी था, जिसमें से छह हत्या, 17 हत्या की कोशिश और एक नशीली दवाओं के कारोबार में शामिल होने का मामला था। बसपा नेता आर्मस्ट्रॉन्ग की 12 जुलाई को शाम सवा सात बजे उस समय हत्या कर दी गई, जब वह यहां पेरंबूर में बन रहे अपने घर की ओर जा रहे थे। इस दौरान इस हमले में उनके साथ मौजूद चार लोग भी घायल हो गए थे। पुलिस कमिश्नर ने कहा था कि आर्मस्ट्रॉन्ग को उनके समर्थकों ने स्थानीय अस्पताल पहुंचाया था और बाद में वहां उनकी मौत हो गई। बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की थी। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से पीड़ित को न्याय सुनिश्चित करने के लिए जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का आग्रह किया था।

टायरों के घिसने से निकलता है माइक्रोप्लास्टिक, सेहत के लिए चार गुना अधिक हानिकारक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इंपीरियल कॉलेज लंदन के ट्रांजिशन टू जीरो पॉल्यूशन इनिशिएटिव के शोधकर्ताओं ने कहा है कि दुनियाभर में हर साल 60

लाख टन टायरों के घिसने के कारण अत्यंत लघु आकार के छोटे कण निकलते हैं, जो न सिर्फ पर्यावरण को प्रदूषित करते हैं बल्कि जिस हवा में हम सांस लेते हैं उसमें भी यह कण समाए होते हैं। टायरों के घिसने के कारण माइक्रोप्लास्टिक रूपी छोटे-छोटे कण और पार्टिकुलेट मैटर लोगों की सेहत के लिए धीमे जहर जैसे हैं। इंपीरियल कॉलेज लंदन के ट्रांजिशन टू जीरो पॉल्यूशन इनिशिएटिव के शोधकर्ताओं ने कहा है कि दुनियाभर में हर साल 60 लाख टन टायरों के घिसने के कारण अत्यंत लघु आकार के छोटे कण निकलते हैं, जो न सिर्फ पर्यावरण को प्रदूषित करते हैं बल्कि जिस हवा में हम सांस लेते हैं उसमें भी यह कण समाए होते हैं।सड़कों में बहता पानी जलमार्गों के जरिये जलाशय और खेतों में जाता है, इसलिए यह कृषि पर भी बुरा प्रभाव डालते हैं। भले ही हमारे सभी वाहन आगे चलकर जीवाश्म ईंधन के बजाय बिजली द्वारा ही क्यों न संचालित हों फिर भी टायरों के घिसने के कारण इनके द्वारा उत्सर्जित हानिकारक प्रदूषण वातावरण में घुलता मिलता रहेगा।इलेक्ट्रिक वाहन डीकाबीनाइज परिवहन के लिए निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन हमें बड़ी तस्वीर को भी देखने की जरूरत है। चिंता इस बात की है कि इलेक्ट्रिक वाहन भारी होते हैं जो टायरों के घिसने में वृद्धि करते हैं। टायरों के घिसने से निकलने वाले कण टायर टूटने, टायर रबर के दिखाई देने वाले टुकड़ों से लेकर नैनोकणों तक कई प्रकार के कण छोड़ते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि इन कणों में पॉलीएरोमैटिक हाइड्रोकार्बन, बेंजोथियाजोल, आइसोप्रीन, जिंक और लेड जैसी भारी धातुओं सहित कई तरह के जहरीले रसायन होते हैं।

सैन्य अफसर को हिरासत में प्रताडित करने और मंगेतर के यौन शोषण केस की होगी न्यायिक जांच, सरकार का फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, न्यायिक जांच की अध्यक्षता न्यायमूर्ति चित्तरंजन दास करेंगे। उन्हें 60 दिन के अंदर

सरकार को रिपोर्ट सौंपनी होगी पुलिस थाने में सेना के एक अधिकारी को कथित तौर पर प्रताड़ित करने और उनकी मंगेतर के साथ यौन उत्पीड़न के मामले की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए गए हैं। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार रात इससे जुड़ा आदेश जारी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार दोषी पाए जाने वाले सभी व्यक्तियों या अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उपमुख्यमंत्री केवी सिंह देव और पार्वती परिदा, राजस्व मंत्री सुरेश पुजारी, कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा के बाद न्यायिक जांच के आदेश जारी किए। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, न्यायिक जांच की अध्यक्षता न्यायमूर्ति चित्तरंजन दास करेंगे। उन्हें 60 दिन के अंदर सरकार को रिपोर्ट सौंपनी होगी। राज्य सरकार ने ओडिशा पुलिस की अपराध शाखा की जांच की निगरानी के लिए उड़ीसा उच्च न्यायालय से भी अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री माझी ने कहा कि राज्य सरकार भारतीय सेना का सम्मान करती है। सीएमओ ने एक बयान में कहा गया कि राज्य सरकार महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और अधिकारों के बारे में पूरी तरह चिंतित है।ठइस बीच राज्य सरकार ने भरतपुर थाने के पांच पुलिसकमिर्यों को निलंबित कर दिया। उनके खिलाफ सेना अधिकारी को प्रताड़ित करने और उनकी मंगेतर का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। राज्य सरकार ने यह भी कहा कि 15 सितंबर की रात को सड़क पर सेना अधिकारी और उनकी मंगेतर के साथ दुर्व्यवहार करने वाले युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें अदालत में पेश किया गया है। कथित घटना 15 सितंबर को हुई थी, जब पश्चिम बंगाल में तैनात एक सैन्य अधिकारी और उसकी मंगेतर ने भरतपुर पुलिस थाने में रोड रेज की शिकायत दर्ज कराने आए थे। उन्हें कुछ स्थानीय युवकों ने कथित तौर पर उन्हें परेशान किया था। हालांकि, दोनों और कुछ पुलिसकमिर्यों के बीच कहासुनी हो गई, जिसके बाद अधिकारी और उसकी मंगेतर को थाने में कथित तौर पर प्रताड़ना झेलनी पड़ी। इससे पहले मुख्यमंत्री के निर्देश पर शिकायतकर्ताओं ने राज्य अतिथि गृह में दोनों उपमुख्यमंत्रियों, राजस्व मंत्री और कानून मंत्री के साथ बैठक की। सीएमओ ने बताया कि बैठक में महिला के पिता और सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। बीजद अध्यक्ष और विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने अदालत की निगरानी में एसआईटी जांच और घटना की न्यायिक जांच की मांग की थी। विपक्षी दल ने 24 सितंबर को भुवनेश्वर बंद का आह्वान भी किया है।

राज ठाकरे बोले- महाराष्ट्र में रिलीज नहीं होने देंगे फवाद खान की फिल्म; हुई तो अंजाम बुरा होगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राज ठाकरे ने भारत में पाकिस्तानी कलाकारों वाली फिल्मों की रिलीज की आलोचना करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को देखते हुए पाकिस्तान के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। यह तय है कि यह फिल्म महाराष्ट्र में रिलीज नहीं होगी और अगर हुई तो अंजाम अच्छा नहीं होगा। पड़ोसी मुल्क के अभिनेता फवाद खान और अभिनेत्री माहिरा खान की पाकिस्तानी फिल्म 'द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट' भारत में रिलीज से पहले मुश्किलों में पड़ती दिख रही है। दरअसल, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि फिल्म को महाराष्ट्र में रिलीज नहीं होने दिया जाएगा। बयान ऐसे समय में आया है, जब यह फिल्म भारतीय सिनेमाघरों में एक दशक से अधिक समय में रिलीज होने वाली पहली पाकिस्तानी फिल्म बनने जा रही है। इसका प्रीमियर 2 अक्तूबर को होना है। राज ठाकरे ने भारत में पाकिस्तानी कलाकारों वाली फिल्मों की रिलीज की आलोचना करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को देखते हुए पाकिस्तान के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। यह तय है कि यह फिल्म महाराष्ट्र में रिलीज नहीं होगी और अगर हुई तो अंजाम अच्छा नहीं होगा।राज ठाकरे ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान की फिल्म 'लीजेंड ऑफ मौला जट' जल्द ही भारत में रिलीज होने वाली है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना किसी भी हालत में फिल्म को महाराष्ट्र में रिलीज नहीं होने देगी। पाकिस्तानी कलाकारों की फिल्मों को भारत में रिलीज करने की इजाजत क्यों दी गई कला की कोई राष्ट्रीय सीमा नहीं होती, जो अन्य मामलों में तो ठीक है, लेकिन पाकिस्तान के केस में यह बिल्कुल भी काम नहीं करेगा। भारत से नफरत के मुद्दे पर बंटे देश के कलाकारों को यहां लाकर नाचने और उनकी फिल्में दिखाने के लिए किस तरह की कार्रवाई की जा रही है? सरकारों को इस फिल्म को

महाराष्ट्र तो क्या, देश के किसी भी राज्य में प्रदर्शित होने की इजाजत नहीं देनी चाहिए।' उन्होंने आगे लिखा, 'बेशक, सवाल यह है कि बाकी राज्यों को क्या करना चाहिए? यह तय है कि इस फिल्म को महाराष्ट्र में रिलीज नहीं होने दिया जाएगा। पहले भी ऐसी घटनाएं होने पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की कार्रवाई सभी को याद होगी। इसलिए अब थिएटर मालिकों से विनम्रतापूर्वक अनुरोध किया जाता है कि वे फिल्मों की स्क्रीनिंग की दुविधा में न पड़ें। जिस वक्त यह फिल्म रिलीज होगी, उसी वक्त के आस पास नवरात्रि उत्सव शुरू हो जाएगा। मैं नहीं चाहता कि महाराष्ट्र में कोई टकराव हो और ऐसा राज्य के मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और पुलिस महानिदेशक भी नहीं चाहते होंगे। हम कोई संघर्ष नहीं चाहते।

अनुसूचित जातियों पर अत्याचार के 98% मामले 13 राज्यों में, सजा की दर भी गिरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सरकारी रिपोर्ट में खुलासा, यूपी में सर्वाधिक मामले 14 राज्यों के आधे जिलों में नहीं बनीं विशेष अदालतें वर्ष 2022 में अनुसूचित जातियों के खिलाफ अत्याचार के मामलों में से करीब 97.7 फीसदी मामले 13 राज्यों से सामने आए। इनमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में ऐसे अपराधों की सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई। ये आंकड़े एक सरकारी रिपोर्ट से सामने आए हैं। चिंता की बात यह है कि सजा की दर में गिरावट दर्ज की गई है, वहीं 14 राज्यों के आधे से अधिक जिलों में मामलों के निपटारे में तेजी लाने के लिए विशेष अदालतों की स्थापना भी नहीं की गई।अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) कानून के तहत सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के खिलाफ ज्यादातर अत्याचार भी 13 राज्यों में केंद्रित थे, जहां 2022 में सभी मामलों के 98.91 फीसदी मामले दर्ज किए गए। अनुसूचित जातियों (एससी) के लिए कानून के तहत दर्ज 51,656 मामलों में से उत्तर प्रदेश में 12,287 दर्ज हुए। यह आंकड़ा कुल मामलों का 23.78 फीसदी था। इसके बाद राजस्थान में 8,651 (16.75 फीसदी) और मध्य प्रदेश में 7,732 (14.97 फीसदी) मामले दर्ज किए गए।

अनुसूचित जातियों के विरुद्ध अत्याचार के अहम मामलों वाले अन्य राज्य बिहार 6,799 (13.16 फीसदी), ओडिशा 3,576 (6.93 फीसदी) और महाराष्ट्र 2,706 (5.24 फीसदी) थे। इन छह राज्यों में कुल मामलों का लगभग 81 फीसदी हिस्सा था। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 के दौरान भारतीय दंड संहिता के साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत अनुसूचित जातियों के सदस्यों के खिलाफ अत्याचार के अपराधों से संबंधित कुल मामलों 52,866 में से 51,656 (97.7 फीसदी) का पंजीकरण 13 राज्यों में हुआ है।रिपोर्ट के मुताबिक, अनुसूचित जनजातियों के लिए कानून के तहत दर्ज 9,735 मामलों में से सर्वाधिक 2,979 मामले (30.61 फीसदी) मध्य प्रदेश में सामने आए। इसके बाद राजस्थान में 2,498 (25.66 फीसदी) मामले दर्ज हुए जो दूसरे स्थान पर है, जबकि ओडिशा में 773 (7.94 फीसदी) मामले सामने आए। इनके अलावा महाराष्ट्र में 691मामले (7.10 फीसदी) और आंध्र प्रदेश में 499 मामले (5.13 फीसदी) दर्ज किए गए। आंकड़ों से कानून के तहत जांच और आरोपपत्र की स्थिति की भी जानकारी मिली। सुप्रीम कोर्ट से संबंधित मामलों में से 60.38 फीसदी में आरोपपत्र दायर किए गए, जबकि 14.78 फीसदी मामलों में झूठे दावों या साक्ष्यों के अभाव जैसे कारणों से अंतिम रिपोर्ट दी गई। 2022 के अंत तक 17,166 मामलों में जांच लंबित थी। अनुसूचित जनजाति से संबंधित मामलों में 63.32 फीसदी मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए गए, जबकि 14.71 फीसदी मामलों में अंतिम रिपोर्ट दी गई।

बॉम्बे हाईकोर्ट के नए परिसर की आज आधारशिला रखेंगे सीजेआई चंद्रचूड़

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट के नए परिसर विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा होगा, जिसमें डिजाइन किए गए विशाल अदालत कक्ष, न्यायाधीशों

और रजिस्ट्री कमिर्यों के लिए कक्ष, एक मध्यस्थता केंद्रे, एक सभागार होगा। इसके साथ ही पुस्तकालय, कर्मचारी, वकीलों और वादियों के लिए कई सुविधाएं शामिल होंगी। भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ आज मुंबई के बांद्रा में बॉम्बे हाईकोर्ट के नए परिसर की आधारशिला रखेंगे। इसके अंदर विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा होगा, जिसमें डिजाइन किए गए विशाल अदालत कक्ष, न्यायाधीशों के लिए कक्ष, एक मध्यस्थता केंद्रे, एक सभागार होगा। इसके साथ ही पुस्तकालय, कर्मचारी, वकीलों और वादियों के लिए कई सुविधाएं शामिल होंगी। महाराष्ट्र सरकार की ओर से इस संबंध में रविवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई। जिसमें कहा गया कि 30.16 एकड़ भूमि का कब्जा चरणबद्ध तरीके से हाईकोर्ट को सौंप दिया जाएगा। नए परिसर के लिए 4.39 एकड़ की पहली किश्त पहले ही दी जा चुकी है। बॉम्बे हाईकोर्ट की यह योजना हितधारकों को बैंकिंग और दूरसंचार, चिकित्सा सुविधाओं, डिजिटलीकरण केंद्र, क्रेच, कैफेटेरिया, प्रतीक्षा क्षेत्र, बहुमंजिला कार पार्क, संग्रहालय और वकीलों के कक्षों जैसी सहायक सेवाओं तक पहुंच प्रदान करने में सक्षम बनाती है।

सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर तीन गिरफ्तार, बीएमसी की गाडियों में की तोड़फोड़

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मुंबई पुलिस ने कि घटनास्थल पर करीब 5 हजार लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई थी। भीड़ में कई बाहरी लोग भी थे। पुलिस धारावी के बाहर से आए लोगों की पहचान कर रही है। जांच में पता चला है कि बीएमसी की तोड़फोड़ कार्रवाई के खिलाफ भीड़ को इकट्ठा करने के लिए भड़काऊ पोस्ट और वीडियो बनाए गए थे। महाराष्ट्र के धारावी में अवैध मस्जिद को तोड़ने के विरोध के मामले में पुलिस ने रविवार को 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन तीनों पर दंगा भड़काने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और सड़क अवरुद्ध करने का आरोप लगाया गया है। बीएमसी की ओर से शनिवार को एक मस्जिद के अवैध हिस्से पर तोड़फोड़ की

कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में भीड़ जुट गई थी। भीड़ ने तोड़फोड़ का जोरदार विरोध किया था। इस दौरान भीड़ ने बीएमसी की गाड़ी का शीशा भी तोड़ दिया और जमकर हंगामा किया।मुंबई पुलिस ने कि घटनास्थल पर करीब 5 हजार लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई थी। भीड़ में कई बाहरी लोग भी थे। पुलिस धारावी के बाहर से आए लोगों की पहचान कर रही है। जांच में पता चला है कि बीएमसी की तोड़फोड़ कार्रवाई के खिलाफ भीड़ को इकट्ठा करने के लिए भड़काऊ पोस्ट और वीडियो बनाए गए थे। इन पोस्ट और वीडियो को शुक्रवार रात से वायरल किया जाने लगा था। वहीं बीएमसी की कार्रवाई वाले दिन यानी शनिवार की सुबह धारावी में मस्जिद के इलाके में भारी भीड़ जुट गई थी, जिससे वाहनों का आवागमन प्रभावित हुआ। प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठ गए थे।

मिर्ज़ापुर

सोनभद्र

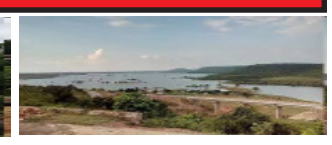

सिंचाई कालोनी के पुराने लिपटस के पेड़ जल्द कटवाए अधिशाषी अभियंता-- राकेश शरण मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। समाज सेवी अधिवक्ता राकेश शरण मिश्र ने सिंचाई कालोनी में लिपटस के पुराने पेड़ो को काट कर हटाने की मांग अधिशाषी अभियंता सिंचाई विभाग से की है। श्री मिश्र ने बयान जारी करते हुए कहा कि चालीस साल पुराने पेड़ो को काटना अति आवश्यक हो गया है क्योंकि पुराने पेड़ो अचानक गिर जाने से गंभीर दुर्घटना होने की संभावना है। उन्होंने इस संबंध में सिंचाई कालोनी के अधिशाषी अभियंता को पत्र लिख कर सिंचाई कालोनी की बाउंड्री से सटे यूकेलिप्टस के सभी पेड़ो को जल्द से जल्द कटवाने की मांग किया है। श्री मिश्र ने लिखा है कि अभी चार दिन पूर्व अत्यधिक बरसात होने से सिंचाई कालोनी के बाउंड्री से सटे यूकेलिप्टस का पेड़ बाउंड्री तोड़ते हुए बढ़ौली निप्राज मार्ग पर गिर गया जिसके कारण दो बिजली के पोल बिजली के तारों सहित टूट कर गिर गए पर संजोग अच्छा था कि उस समय मार्ग पर वहां कोई नहीं जा रहा था वर्ना पेड़ और खंबे के चपेट में आने से किसी की भी जान जा सकती थी। और अभी भी यह खतरा बना हुआ है क्योंकि सिंचाई कालोनी के बाउंड्री के पश्चिम, उत्तर एवम दक्षिण में मार्ग और मकान होने से यदि कोई पेड़ फिर गिरा तो किसी भी अप्रिय घटना के घटित होने की पूरी संभावना है। श्री मिश्र ने पत्र में चेतावनी देते हुए लिखा है कि यदि भविष्य में सिंचाई कालोनी के पेड़ो के गिरने से किसी प्रकार कोई दुर्घटना होती है तो उसकी समस्त जिम्मेवारी आपकी होगी।

चकरोड बना हुआ दिखाकर ग्राम प्रधान सचिव ने निकाल लिया पैसा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। विकास खंड नगवां के सुदूर पहाड़ी ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार का खेल जोरों शोरों से चल रहा है ग्राम पंचायत दरेव में ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव द्वारा चकरोड निर्माण दिखाकर सरकारी धन गबन करने का मामला प्रकाश में आया है। ग्रामीणों ने अपना नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ग्राम प्रधान द्वारा कोई चकरोड़ नहीं बनवाया गया है जिस चकरोड की बात की जा रही है वो तो बहुत पुराना है जिसपर जगह जगह खंडजा बिछाया गया है इसी रोड में ग्राम प्रधान द्वारा रपटा और सुरक्षा दिवाल का निर्माण करवाया गया है जहां पानी का बहाव है वहां सुरक्षा दिवाल नहीं बनवाई गई है उसी जगह पानी चकरोड को बहा दिया है जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है इस मामले की जानकारी सोशल आडिट में पता चला कि जो काम ग्राम पंचायत में हुए ही नहीं है उनका भी नाम आडिट में बोला जा रहा है उसी सोशल आडिट में कुछ मीडिया के लोग भी मौजूद थे जब मामले की जानकारी ग्रामीणों से जुटाई गई तो कई चौकाने वाले मामले सामने आए। वहां मौजूद ग्रामीणों से पुछ गया की गांव के सचिव को कहचानते है तो पता चला की गांव में एक वर्ष में एक से दो बार आते होंगे तो कितने लोग पहचाने गे पंचायत सचिव को पहचानने से किया इंकार जब ग्रामीणों से पूछा गया की आप लोग अपने पंचायत सचिव को पहचान रहे है ग्रामीणों का जबाव नहीं में कभी कभार वर्ष में एकाध बार आते है सोचिए क्या हाल है पहाड़ी ग्राम पंचायतों का जहां कार्य धरातल पर नहीं सिर्फ कागजों में दिखते हो पहाड़ी इलाका होने के नाते कोई बड़ा अधिकारी ग्राम पंचायत में जाते नहीं जिसका भरपूर लाभ ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव लेते है कोई कोर कसर नही छोड़ते सरकारी योजनाओं को पलीता लगाने में। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी सोनभद्र का ध्यान आकृष्ट कराया है और जांच की मांग की है।

भैरोपुर मे बन रहे प्राथमिक विद्यालय मे नये क्लास के चलते आम के पेड के नीचे बैठकर पढने को मजबूर बच्चे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। विकास खण्ड नगवां के ग्राम पंचायत भैरोपूर में पुराने प्राथमिक विद्यालय को गिराकर के नया विद्यालय बनाया गया है विद्यालय बनने के दौरान वहां के बच्चे आम के पेड़ के निचे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं विद्यालय परिसर में कोई अन्य रूम न होने की वजह से बारिश हो या फिर धुप पेड़ ही सहारा है इस विद्यालय गरिबों के बच्चे शिक्षा लेते है इसलिए किसी जनप्रतिनिधि या अधिकारियो के बच्चे होते तो अब तक नया भवन हैंड ओभर हो गया होता इसमें तो गरिब परिवार के बच्चे हैं इस लिए किसी का ध्यान नहीं है विद्यालय के प्रभारी मेघा सौ नकियां ने बताया की मेरे पास अतिरिक्त एक कमरा है उसी में आफिस चलता है उसी में बच्चों का मिड-डे मील बनता है उसी में बारिश होने पर बच्चों को भी खड़ा किया जाता बिल्डिंग बनने के बाद भी नहीं मिल रही कभी कभी नए भवन के बरामदे में बच्चे बैठ जाते हैं तो ठेकेदारों के द्वारा कहा जाता है बच्चे मेरे बरामदे को तोड़ दे रहे हैं इसमें बच्चों को न बैठाया जाए जब मेरे द्वारा उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया तो कहा गया की अभी विभाग को हैंडोवर नहीं हुआ है जैसे ही हैंडोवर होगा उसको आपको दे दिया जाएगा जबकि लग भग 24 जुन 2024 को ही भवन बन गया है हम लोग करते कहते थक चुके हैं यहा कोई सुनने वाला नहीं है चाहे बारिश हो या फिर आंधी आए हम सभी के लिए पेड़ ही सहारा है जब इस संबंध में बृजेश कुमार सिंह ए नगवां से वार्ता हुई तो बताया की कार्य दाई संस्था द्वारा हैंडोवर नहीं किया गया है हैंडोवर होते ही नए विद्यालय में बच्चों को प्रवेश कर दिया जाए विडंबना यह है कि बिल्डिंग हैंड ओवर होने से पहले ही बिल्डिंग में दरारें देखनें को मिल रही है इसकी जांच कर कर नई बिल्डिंग तत्काल बच्चों को दिया जाए ताकि आवास में बैठकर बच्चे शिक्षा ग्रहण कर सकें।

लायंस क्लब राबर्ट्सगंज का 50 वां पदग्रहण समारोह संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। लायंस क्लब राबर्ट्सगंज का 50 वां पदग्रहण समारोह संपनन। मुख्य अतिथि के रूप में मंडलाध्यक्ष बलबीर सिंह बग्गा, उप मंडलाध्यक्ष प्रथम अर्पणधर दुबे, उप मंडलाध्यक्ष द्वितीय उदय चंदानी, एडिशनल कैबिनेट सेक्रेटरी राजेश मेहरा, कैबिनेट पीआरओ चंदन खनन, पदारोहण अधिकारी पीडीजी वीरेंद्र गोयल,इंडक्शन ऑफिसर पीडीजी निधि कुमार, की नोट स्पीकर पीडीजी हरीश अग्रवाल, एसोसिएट कैबिनेट सेक्रेटरी किशोरी सिंह, रीजन चेयरपर्सन दया सिंह, जोन चेयरपर्सन जगमिंदर सेन अग्रवाल, मंच को सुशोभित कर रहे थे। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया एवं चार्टर के चित्र पर माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात मंडलाध्यक्ष बलबीर सिंह बग्गा ने अध्यक्ष राधिका सिंह को गै-गावल देकर कार्यभार सौंपा। मंडलाध्यक्ष बलवीर सिंह बग्गा ने इस अवसर पर कहा कि हमारे लायनिज़्म का स्लोगन 'विन? हर्ट थ्रू सार्विस' लायंस क्लब राबर्ट्सगंज चरितार्थ कर रहा है जैसे परमानेंट प्रोजेक्ट के रूप में लायंस क्लब राबर्ट्सगंज अग्रणी है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष राधिका सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि आप सभी सदस्यों के सहयोग से मंडल में कीर्तिमान स्थापित करने का कार्य करूंगी। लायंस क्लब रावर्ट्सगंज में 5 नए सदस्यों ने सदस्यता ग्रहण किया ।अध्यक्ष राधिका सिंह,सचिव कल्पना केसरी, कोषाध्यक्ष परमजीत कौर व उनकी टीम ने पदारोहण अधिकारी द्वारा पद का शपथ लिया । संचालन कर रहे विमल अग्रवाल,किशोरी सिंह,दया सिंह अमित जैसवाल, एवं कार्यक्रम संयोजक पवन जैन ,को-संयोजक जयकुमार केशरी ने बहुत सुंदर तरीके से कार्यक्रम को सफल बनाया ।

2 नवंबर को गोवर्धन पूजा वीर लोरिक पर होगा संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। रविवार को वीर लोरीक पत्थर परिसर मारकुंडी में आगामी 2 नवम्बर को संपनन होने वाली विराट गोर्वधन पूजा की तैयारी को लेकर मारकुंडी के पूर्व प्रधान तेजधारी यादव की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे तेजधारी यादव ने बताया कि हर वर्ष की बात इस वर्ष भी धूमधाम से मारकुंडी स्थित वीर लोरी पर पूजा व भंडारे का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसमें की दूध दराज हुआ प्रदेश स्तर के कलाकार एवं लोग उपस्थित होंगे इस मौके पर राम निहार यादव, संजय यादव, रोशन लाल यादव, पूर्व चेयर मैन प्रतिनिधी ओबरा रमेश यादव, बलवंत यादव, परमेश्वर यादव, चंद्रभूषण यादव, रामाशंकर यादव, ओमप्रकाश यादव, बलवंत यादव, गुलाब यादव आदि लोग उपस्थित थे।। बैठक में नई गोर्वधन पूजा समिति के चयन पर विचार विमर्श हुआ।। जिसकी चयन प्रक्रिया की घोषणा जल्द होगी।। बैठक का संचालन दयाराम यादव ने किया।

पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित ग्रामीणों ने किया विरोध

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। विकास खंड नगवां ग्राम पंचायत सिकरवार के सड़ सोत में करीब दर्जनों से अधिक घरों को प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन नल जल योजना से पेयजल नहीं मिल रहा है लोग नदी नालों और कुआं का दूषित पानी पीने को मजबूर है कही दूर हैंडपंप भी है अक्सर खराब ही रहता है कुआं का दूषित पानी पीने से कई प्रकार की संक्रामक बीमारियों के होने का खतरा बढ़ जाता है ऐसे में जिम्मेदार जल निगम के अधिकारी कागजों में खानापूर्ति कर मामले का इतिश्री कर लेते हैं। ग्रामीण जालिम ने बताया कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नल जल का पाइप बिछाया गया है लोगों के घरों में टोटी भी लग गई लेकिन अभी तक पानी की एक बूंद भी नसीब नहीं हुआ दूर हैंडपंप और कुआं से पानी लाकर किसी तरह गुजर बसर करना पड़ता है और दूषित पानी पीने से आए दिन लोग विभिनन प्रकार की संक्रामक बीमारियों का शिकार होते रहते हैं। ग्रामीण सवरू राम ने बताया कि कई बार इसकी सूचना ग्राम प्रधान जल निगम के अधिकारियों सहित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर भी शिकायत की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई, ग्रामीण मराछू राम ने बताया कि एक बार जल निगम से अधिकारी आए थे और जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया पर वो भी सिर्फ कागजी खानापूर्ति तक ही सीमित रह गया। इस मामले को लेकर जब जल निगम के एक्सियन महेंद्र सिंह से वार्ता करने का प्रयास किया गया तो उनका नंबर व्यस्त बता रहा था। ग्रामीण अशोक भारती, सीताराम पासवान, मराछु राम, जालिम, छोटू हीरालाल, शारदा आदि ने जिलाधिकारी सोनभद्र का ध्यान आकृष्ट कराते हुए संबंधित को पेयजल आपूर्ति बहाल करने हेतु निर्देशित करने की मांग की है।

हृदय में ही निवास करते हैं परमात्मा, मात्र देखने की जरूरत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज शहर के विकास नगर कालोनी में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा सुनने के लिए लोगों की दूसरे दिन भी भीड़ उमड़ी रही। काशी के मर्मज्ञ कथा प्रवक्ता श्री श्री कुणाल जी महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत पुराण को भगवान कृष्ण का साहित्यिक अवतार माना जाता है। श्रीमद् भागवत कथा सुनने से आध्यात्मिक विकास और भगवान के प्रति भक्ति गहरी होती है। श्रीमद् भागवत कथा स्वयं की प्रकृति और परम वास्तविकता के बारे में सिखाती है। महाराज जी ने दूसरे दिन भजन प्रवाह जारी करते हुए अपने प्रवचन में बताया कि मनुष्य मरणधर्मा है, ऐसे में मनुष्य का क्या कर्तव्य है। यह विचार भागवत में किया गया है। जैसा अंतिम समय में स्मरण किया जाता है, वही गति मनुष्य को प्राप्त होती है। मनुष्य जीवन का यही परम लाभ है कि हम अपनी बुद्धि को ऐसा तैयार करें। ताकि अंतिम समय में सिर्फ भगवान का स्मरण हो, इस जगत का स्मरण न हो। इस दौरान पं. राहुल पाण्डेय, मुख्य आयोजक अनंत राम वर्मा, मुख्य यजमान मालती देवी, रूद्र प्रताप सिंह, सूबेदार सिंह, भुनेश्वर जायसवाल, सालिक राम दूबे, अमिय कुमार वर्मा, सुरेंद्र जायसवाल, सुरेंद्र पटेल, अमरेश, अजीत कुमार, राम अधार आदि रहे।

कोन वन रेंज के भूमि पर कब्जा बदस्तु जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

कोन/ सोनभद्र । वन रेंज कोन के अंतर्गत अन्य क्षेत्रों जैसे कि रगरम , मिश्री , डोमा टोला बरियाती सहित बागेसोती,भालूकुदर सेक्सन में वन माफियाओं की सक्रियता इस कदर बढ़ गयी है कि क्षेत्र में आय दिन कीमती पेड़ काटकर वन भूमि पर कब्जा किया जा रहा। विभाग कार्यवाही के नाम पर मूकदर्शक बना हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि बागेसोती के अंतर्राज्जीय बॉर्डर पर स्थित बड़ाप के ललुआ खोह व भालुकूदर सेक्सन के धरनवा बॉर्डर पर अबैध रूप से वन भूमि पर कब्जा किया जा रहा है जिसके आजीज होकर स्थानीय लोगों द्वारा मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल पर पूर्व में शिकायत दर्ज कराया गया था जिसके क्रम में तत्कालीन क्षेत्रीय वनाधिकारी व वर्तमान क्षेत्रीय वनाधिकारी कोन द्वारा जांच कर अधीनस्थ कर्मचारियों को निर्देशित किया गया था कि किसी भी स्थिति में वन भूमि पर अतिक्रमण न हो पाये व साथ ही दो दिनों के अंदर कब्जा हटाने का आश्ववसन देकर कागजी कोरम पूरा कर लिया गया था किन्तु निर्देश ढाक के तीन पात निकला। जिसका नतीजा है कि ग्राम बागेसोती के खोहिइच्या जंगल, झारखंड बार्डर, बड़ाप के साथ भालुकूद बीट में जहाँ लोग वर्षों से जमे वनकर्मी की मिलीभगत से सैकड़ों एकड़ वन भूमि पर कब्जा कर मकान तक बना लिए गए हैं।जिसके क्रम में दूसरी बार सोमवार की सुबह तड़के ग्रामीण राजेंद्र सिंह की अगुवाई में बड़ाप के ललुवाखोह बंधी के पास दर्जनों लोगों ने वन विभाग खिलाफ स्लोगन वन विभाग की मनमानी नहीं चलेगी के साथ जोरदार प्रदर्शन कर आक्रोश ब्यक्त किया। ग्रामीणों ने उच्चस्तरीय जाँच की मांग करते हुए तत्काल वन भूमि कब्जा मुक्त कराने व लिप्त वन कर्मियों के ऊपर कार्यवाही किये जाने की मांग की है । प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से बिहारी प्रसाद, राजेंद्र, संजय अरुण, वशिष्ठ बंशीधर सहित दर्जनों ग्रामीण थे।वहीं दूसरी तरफ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विभाग का कोई भी जिम्मेदार अधिकारी क्षेत्र में न तो रहते हैं और न ही गस्त करते हैं बल्कि अन्यत्र निवास करते हैं वन चौकी विरान पड़ा है जिसका परिणाम है कि वृक्षों का कटान करके वन भूमि पर कब्जा करने वालों का हौसले बुलंद हैं जिससे विभाग की संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता है।वहीं प्रदूषण को रोकने के लिए मुख्यमंत्री के द्वारा एक पौधा माँ के नाम का प्रदेश भर में अभियान चलाया जा रहा है लेकिन विभाग के निष्कृयता के कारण क्षेत्र में पेड़ों की कटाई कराकर वन भूमि पर अतिक्रमण करने का कार्य कराया जा रहा है जो कि पर्यायवरण के दृष्टिकोण से बेहद खतरनाक है। ताकि पेड़ों की कटान व वन भूमि पर अतिक्रमण करने वालों का साथ दे रहे वन कर्मिचों पर नकेल कसकर वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जा सके।

राष्ट्र के विकास के लिए पीएम के हाथों को करें मजबूतःअजीत रावत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। रावटसगंज नगर स्थित अंबेडकर नगर चौक पर सोमवार को भाजपा महापर्व सदस्यता अभियान चलाया गया जिसमें 65 युवा एवं वाहन बुजुर्गों को दिलाई गई भाजपा की सदस्यता वहीं मुख्य अतिथि अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने बताया कि भाजपा अनुसूचित मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य एवं प्रदेश सदस्य रामचंद्र कनौजिया के मार्गदर्शन पर प्रतिदिन भाजपा महापर्व सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है उसी क्रम में सोमवार को रावटसगंज नगर स्थित अंबेडकर नगर चौक पर कैंप लगाकर भाजपा सदस्यता अभियान किया गया जिसमें लगभग 65 लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाया गया वहीं सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने बताया कि राष्ट्र के विकसित निर्माण के लिए पीएम मोदी के हाथों को मजबूत बनाने का कार्य हम आप मिलकर करें जिससे देश प्रदेश व जिले गांव का विकास हो सके श्री रावत ने बताया कि भाजपा संगठन पर्व में सदस्यता अभियान के लिए ऑनलाइन सदस्यता टोल फ्री नंबर जारी किया है 88 000 2024 जिस पर मिस कॉल देकर भी सदस्यता ली जा सक्ति है वहीं मिस कॉल देने के उपरांत उसे व्यक्ति के मोबाइल पर भाजपा का सदस्यता कार्ड बनाकर उपलब्ध हो जाएगा। ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार संगठन के महापर्व सदस्यता अभियान 2024 के अंतर्गत अनुसूचित मोर्चा के सभी कार्यकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्र में सदस्यता अभियान के लिए जिम्मेदारी दी गई है जिसकी प्रतिदिन मॉनिटरिंग कर जवाब दे ते की जा रही है इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता राजेन्द्र मिश्रा , आलोक रावत, अमन वर्मा, मनोज कनौजिया, राजू भारती आदि लोग रहे।

राहुल गांधी का भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने फूंका पुतला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। राबट्सगंज बढौली चौक पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों ने राहुल गांधी का पुतला फूंका। सिख धर्म पर दिए बयान के विरोध में सिख समाज के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर राहुल गांधी का पुतला फूंकते भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष कमलेश खांभे का कहना था कि राहुल गांधी ने अमेरिका में सिख धर्म के खिलाफ बयान दिया था।अल्पसंख्यक मोर्चा टीम के अधिकांश लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने एक सुर में कहा कि हम कांग्रेस द्वारा 1984 में दिए गए जख्मों को भूले नहीं है। सिख धर्म और उसकी महान परंपराओं को अपमानित करने वालो को कड़ा सबक सिखाया जायेगा। इस मौके पर भाजपा अल्पसंख्य मोर्चा के जिला अध्यक्ष कमलेश खांबे, नगर अध्यक्ष बलराम सोनी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलामहामंत्री आफताब अंसारी, संतोष सिंह, अजीत सिंह भंडारी, गुरजीत सिंह, छोटू खान, विजय खरवार, सुशील मिश्रा शामिल रहे।

स्पोर्ट्स

लाडली बेटियों को अश्विन ने दिया खास तोहफा, पत्नी की 'फिरकी' पर बोल्ड हुए भारतीय स्पिन दिग्गज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। देशभर में रविवार को राष्ट्रीय बेटी दिवस मनाया गया। भारतीय टीम के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भी अपनी बेटियों के साथ यह खास दिन मनाया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत की बांग्लादेश पर 280 रन से जीत के बाद एक खास वीडियो साझा किया, जिसमें महान खिलाड़ी को अपनी पतनै के सवालों का जवाब देते देखा गया। इस दौरान अश्विन ने अपनी बेटियों को खास तोहफा देने की भी बात की। चेनर्ई में खेले गए पहले टेस्ट मैच में रविचंद्रन अश्विन ने दमदार प्रदर्शन किया। वह गेंद और बल्ले से प्रभावित करने में कामयाब हुए। पहले उन्होंने शतक लगाकर भारत को मुश्किल से निकाला। इसके बाद अपनी घातक गेंदबाजी से मेहमानों की कमर तोड़ दी। यही वजह है कि उन्हें मुकाबले के बाद प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड से नवाजा गया। मैच के बाद अश्विन ने अपनी पतनै को खास इंटरव्यू दिया। इसमें प्रीति नारायण (अश्विन की पतनै) ने ऑफ स्पिनर से कुछ ऐसे सवाल किए जिस पर वह शर्माते हुए नजर आए। अश्विन की पतनै ने सबसे पहले उनसे सवाल किया कि वह अपनी बेटियों को राष्ट्रीय बेटी दिवस पर क्या तोहफा देंगे? इस पर 37 वर्षीय गेंदबाज ने कहा कि जिस गेंद से उन्होंने पांच विकेट हॉल हासिल किया है, वह अपनी बेटियों को तोहफे में देंगे। इस पर उनकी बेटियों को कहते सुना गया कि इतने से काम नहीं चलेगा। प्रीति ने पूछा- बच्चे जानना चाहते हैं कि आप उन्हें बेटी दिवस पर क्या देंगे? तो स्पिनर ने जवाब दिया- मैं उन्हें वह गेंद दूंगा जिससे मैंने पांच विकेट लिए। हालांकि, उनकी बेटियां इससे संतुष्ट होती नहीं दिखीं। आगे अश्विन की पतनै उन्हें चेनर्ई में टेस्ट शतक और फाइव-फर लेने के लिए बधाई देती है। तभी वह अपनी तरफ इशारा करते हुए कहती है कि मेरी मौजूदगी से कुछ शक्ति मिली? जवाब में स्पिनर कहते हैं- इसने हर वक्त मुझसे शिकायत की है कि तुमने मुझे नहीं देखा। लेकिन मैंने इन्हें देखा था। हालांकि, लोग ज्यादा थे इसलिए ध्यान नहीं दे सका। चेनर्ई में अश्विन ने दूसरी बार टेस्ट क्रिकेट में शतक जड़ा। इसके अलावा उन्होंने 37वीं बार पांच विकेट झटककर महान शेन वॉर्न की बराबरी की। अश्विन ने अपनी इन उपलब्धियों पर बात करते हुए कहा- मुझे नहीं पता कि मैं कैसे प्रतिक्रिया दूं क्योंकि पहला दिन कुछ ऐसा था जो बहुत जल्दी हुआ। मुझे उम्मीद नहीं थी कि मैं यहां आकर शतक बना पाऊंगा। मैंने काफी समय से बल्लेबाजी नहीं की थी, इसलिए यह बहुत अच्छा लगता है। हर बार जब मैं यहां (चेपॉक) आता हूं तो यह खास लगता है। मुझे नहीं पता, इस मैदान में कुछ ऊर्जा है। मुझे लगता है कि यही मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

शिकस्त के बाद फूटा बांग्लादेश के कप्तान शांतो का गुस्सा, ठहराया इन खिलाड़ियों को जिम्मेदार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बांग्लादेश की टीम अपनी दूसरी पारी में 234 रन पर आउट हो गई जबकि पहली पारी में टीम 149 रन ही बोर्ड पर लगा सकी थी। शांतो ने माना कि खराब बल्लेबाजी की वजह से उनकी टीम को इस मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। भारत ने रविवार को चेनर्ई में खेला गया टेस्ट मुकाबला 280 रनों से जीत लिया। बांग्लादेश की इस शिकस्त ने कप्तान नजमुल हुसैन शांतो का दिल तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि मेजबान टीम ने पहली पारी में अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। शांतो ने कहा कि अगर शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के बीच अगर एक भी बड़ी साझेदारी होती तो मैच का नतीजा कुछ और हो सकता था।बांग्लादेश की टीम अपनी दूसरी पारी में 234 रन पर आउट हो गई जबकि पहली पारी में टीम 149 रन ही बोर्ड पर लगा सकी थी। शांतो ने माना कि खराब बल्लेबाजी की वजह से उनकी टीम को इस मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। शांतो ने कहा- हमने पहली पारी में अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। यह खेल का बहुत महत्वपूर्ण चरण था। अगर हमारे पास कम से कम एक बड़ी साझेदारी होती तो हम बेहतर स्थिति में होते।

शीर्ष क्रम के लिए हमेशा अच्छा प्रदर्शन करना एक चुनौती रहा है, खासकर पहली पारी में। यह देखना महत्वपूर्ण है कि हम इसका सामना कैसे कर रहे हैं। हम इसके लिए काम कर रहे हैं लेकिन हमें परिणाम नहीं मिल रहे हैं। तीसरे दिन दूसरी पारी में शीर्ष क्रम थोड़ा संभला। 515 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन और शादमान इस्लाम ने 62 रन जोड़े। उन्होंने कहा- विकेट पर समय बिताना महत्वपूर्ण है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं था। फिर भी, यह दूसरे टेस्ट के लिए मददगार होगा। सलामी बल्लेबाजों के लिए 62 रन बनाना बहुत महत्वपूर्ण था। यह एक ऐसी चीज है जिस पर हम अगले टेस्ट मैच में उम्मीद कर सकते हैं।

टीम इंडिया ने बनाया रिकॉर्ड, भारतीय टेस्ट क्रिकेट के 92 साल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने चेनर्ई में दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में बांग्लादेश को हराकर अपने 92 साल के लंबे इंतजार को समाप्त कर दिया। चेपॉक में भारत के लिए 280 रन की जीत का नतीजा यह हुआ कि टीम के टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार हार की संख्या से ज्यादा जीत के नंबर हैं। भारत ने अपना पहला टेस्ट 1932 में सीके नायडू के नेतृत्व में खेला था, लेकिन उसे 158 रन से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच के बाद से भारत कभी भी हार की संख्या से अधिक जीत हासिल करने में कामयाब नहीं हुआ था।बांग्लादेश के खिलाफ जीत टेस्ट इतिहास में भारत की 179वीं जीत थी। भारतीय टीम ने अब तक 581 टेस्ट मैच खेले हैं और 178 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। 222 टेस्ट ड्रॉ रहे और एक मैच टाई रहा है। टीम इंडिया एकमात्र ऐसी टीम नहीं है जिसने टेस्ट में हार की संख्या से अधिक जीत दर्ज की है। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान भी इस लिस्ट में शामिल हैं। हालांकि, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, बांग्लादेश और आयरलैंड को अभी तक यह उपलब्धि हासिल नहीं हुई है।भारत ने चेनर्ई में खेले गए पहले टेस्ट में बांग्लादेश को 280 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। 515 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की दूसरी पारी 234 रन पर सिमट गई। रविचंद्रन अश्विन ने कहर बरपाते हुए छह विकेट झटके। यह उनका टेस्ट में 37वां फाइव विकेट हॉल रहा और उन्होंने इस मामले महान शेन वॉर्न की बराबरी की। बांग्लादेश की ओर से नजमुल हुसैन शांतो ने सबसे ज्यादा 82 रन बनाए। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने पहली पारी में 376 रन बनाए थे। जवाब मे बांग्लादेश की पहली पारी 149 रन पर समाप्त हो गई। भारतीय टीम ने बांग्लादेश को फॉलोऑन न खिलाते हुए 227 रन की बढ़त के साथ दूसरी पारी में बल्लेबाजी की। भारत ने अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 287 रन बनाकर घोषित कर दी थी और उन्हें कुल 514 रन की बढ़त मिली थी। अपने घर में साल 2012 से शुरू हुए सिलसिले में भारत ने कोई टेस्ट सीरीज नहीं गंवाई है। भारत अपने घर में 4302 दिनों से कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारा है। यह अन्य किसी भी देशों से ज्यादा है। भारत के बाद इस लिस्ट में दक्षिण अफ्रीका है। अफ्रीकी टीम ने साल 2020 से शुरू हुए सिलसिले में 1702 दिनों से कोई टेस्ट सीरीज नहीं गंवाई है। ऑस्ट्रेलिया 1348 दिनों के साथ तीसरे स्थान पर है। साल 2013 से अपने घर में टेस्ट में भारत का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उसने 52 टेस्ट खेले हैं और 41 में जीत हासिल की है। भारत इस दौरान सिर्फ चार टेस्ट हारा है और सात मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। भारत साल 2013 से घर में लगातार 17 टेस्ट सीरीज से अजेय है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए क्या होगी भारत की प्राथमिकता इयान चैपल ने रखी राय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने लगातार दो बार ऑस्ट्रेलिया से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीती है और अब उसकी नजरें हैट्रिक लगाने पर होंगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज होनी है। भारतीय टीम भले ही फिलहाल बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में व्यस्त है, लेकिन साल के अंत में उसे ऑस्ट्रेलिया का सामना करना है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज होनी है। भारतीय टीम ने लगातार दो बार ऑस्ट्रेलिया से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीती है और अब उसकी नजरें हैट्रिक लगाने पर होंगी। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने कहा कि अगर भारत को ऐतिहासिक हैट्रिक हासिल करनी है तो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को चोटों से मुक्त और शीर्ष फॉर्म में रहना होगा।चैपल ने एक कॉलम में लिखा, भारत की प्राथमिकता यही होगी कि उसके ज्यादातर खिलाड़ी फॉर्म में रहें और उन्हें कोई बड़ी चोट नहीं लगे। हालांकि सबसे ज्यादा जरूरी बात जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत का फॉर्म में रहना और चोटों से मुक्त रहना होगा। पंत ने भयानक कार दुर्घटना के बाद जिस तरह से टेस्ट में वापसी की है, वह शानदार है। वह भारतीय बल्लेबाजी क्रम में अहम विकेटकीपर बल्लेबाज हैं और अगर वह ऑस्ट्रेलियाई दौरे के लिए फॉर्म में रहते हैं तो टीम का मनोबल बढ़ा रहेगा। पंत 2020-21 में भारत को ऑस्ट्रेलिया में पिछली सीरीज में मिली जीत के नायक रहे थे। चैपल ने कहा, अगर पंत अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं तो यह भारत के लिए अच्छा होगा क्योंकि वह ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के लिए आदर्श विकेटकीपर हैं। पिछले ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर दो सबसे सफल तेज गेंदबाज बुमराह और मोहम्मद सिराज दोनों की अच्छी फॉर्म और फिटनेस जरूरी है। बुमराह तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते हैं। चैपल मोहम्मद शमी के भी सीरीज शुरू होने से पहले फिट होने की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए फिट हो जाते हैं तो यह आदर्श होगा और उनकी मौजूदगी से भारत के गेंदबाजी आक्रमण में विविधता भी बढ़ेगी। रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन के साथ स्पिन गेंदबाजी भी अच्छी है, लेकिन मैं ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर कुलदीप यादव की अहमियत को कम नहीं समझ सकता।

यशस्वी को फील्डर के तौर पर तैयार करने का श्रेय अश्विन ने इन्हें दिया, तारीफ में कही बड़ी बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। दिलीप ने टीम के क्षेत्ररक्षण में कुछ नए प्रयोग किए जो काफी सफल रहे। उन्होंने हार के बाद टीम में सर्वश्रेष्ठ फील्डर पुरस्कार देने की परंपरा शुरू की जिससे खिलाड़ियों का मनोबल काफी बढ़ा है। अश्विन ने टीम की स्लिप क्षेत्र में फील्डिंग में सुधार का श्रेय दिलीप को देते हुए कहा कि क्षेत्ररक्षण कोच ने काफी मेहनत की है।भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ चेनर्ई टेस्ट में मिली जीत में अहम भूमिका निभाने वाले ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टीम के साथी खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल की फील्डिंग को लेकर बड़ा बयान दिया है। अश्विन का कहना है कि यशस्वी ने अपनी फील्डिंग में काफी सुधार किया है, लेकिन साथ ही उन्हें इसके लिए तैयार करने का श्रेय फील्डिंग कोच टी दिलीप को दिया। दिलीप ने टीम के क्षेत्ररक्षण में कुछ नए प्रयोग किए जो काफी सफल रहे। उन्होंने हार के बाद टीम में सर्वश्रेष्ठ फील्डर पुरस्कार देने की परंपरा शुरू की जिससे खिलाड़ियों का मनोबल काफी बढ़ा है। अश्विन ने टीम की स्लिप क्षेत्र में फील्डिंग में सुधार का श्रेय दिलीप को देते हुए कहा कि क्षेत्ररक्षण कोच ने काफी मेहनत की है। अश्विन ने कहा, आप अगर क्षेत्ररक्षण के बारे में बात करना चाहते हैं तो हमें कहां से शुरुआत करनी चाहिए? सबसे पहले बात करते हैं दिलीप सर की। हमने इंटरनेट पर उनके नाम को ढूंढा तो उनके नाम के साथ इंटरनेट पर मशहूर हस्ती आ रहा था। वह हमारे सेलिब्रिटी फील्डिंग कोच हैं। सुपर स्टार। एक या दो साल पहले हमारे लिए स्लिप में कैच पकड़ना चुनौतीपूर्ण था लेकिन इस मामले में यशस्वी ने काफी सुधार किया है।

प्रभात जयसूर्या ने रचिन रवींद्र की मेहनत पर फेरा पानी, श्रीलंका की न्यूजीलैंड पर रोमांचक जीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के सामने 275 रनों का लक्ष्य रखा था। हालांकि, न्यूजीलैंड की टीम लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकी और उसकी दूसरी पारी 211 रनों पर सिमट गई। स्पिनर प्रभात जयसूर्या इस मैच में स्टार बनकर उभरे जिन्होंने दूसरे पारी में पांच विकेट लि श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को पहले टेस्ट मैच में 63 रनों से हरा दिया है। श्रीलंका के लिए बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या इस मैच में स्टार बनकर उभरे जिन्होंने दूसरे पारी में पांच विकेट लिए और मेजबान टीम को रोमांचक जीत दिलाई। न्यूजीलैंड की ओर से रचिन रवींद्र ने जूझारू पारी खेली और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की भरपूर कोशिश की, लेकिन प्रभात ने उन्हें आउट कर न्यूजीलैंड की आखिरी उम्मीद भी तोड़ दी। श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के सामने 275 रनों का लक्ष्य रखा था। रविवार को चौथे दिन के खेल की समाप्ति तक न्यूजीलैंड ने आठ विकेट पर 207 रन बना लिए थे और मैच रोमांचक स्थिति में पहुंच गया था। कीवी टीम को पहले टेस्ट के अंतिम दिन सोमवार को जीत दर्ज करने के लिए 68 रन बनाने थे, जबकि श्रीलंकाई टीम को दो विकेट चटकाने की जरूरत थी। हालांकि, न्यूजीलैंड की टीम लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकी और उसकी दूसरी पारी 211 रनों पर सिमट गई। न्यूजीलैंड ने श्रीलंका के खिलाफ पहली पारी में 35 रनों की बढ़त हासिल की थी, इसके बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा। लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की ओर से सिर्फ रचिन ही श्रीलंकाई गेंदबाजों का डटकर सामना कर सके। रचिन ने सोमवार को 91 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई, लेकिन वह सिर्फ एक ही रन और बना सके।

राशि फल

आपका सामान्य रहने वाला है, स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा। आप किसी लंबी यात्रा आदि पर जा सकते हैं, वाहन आदि का उपयोग संभाल कर करें।	भागदौड़ से भरा रहेगा, आपका मन अशांत रहेगा। स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे, व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ी डील हाथ से निकल सकती है। पार्टनर से मतभेद हो सकते हैं।	आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा, कोई रुका हुआ पुराना कर आज पूरा होगा। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव दिखाई पड़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।	आपका दिन अच्छा रहने वाला है, स्वास्थ्य ठीक रहेगा। किसी कार्य के लिए आप प्रयास कर रहे हैं, तो आज आपको उसमें सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ा ।
कुछ परेशानियों भरा रह सकता है। आप व्यर्थ के वाद विवाद में फंस सकते हैं, कोई झूठा आरोप आप पर लग सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से आज आप कमजोरी महसूस करेंगे।	किसी अपने के व्यवहार के कारण परेशान हो सकते हैं। किसी संबंधी से बड़ा विवाद हो सकता है। आप स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे। पार्टनर का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आपका मन प्रसन्न रहेगा, किसी विशेष व्यक्ति से मिलना होगा। आपके स्वास्थ्य में लाभ होगा, आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। परिवार के साथ संबंध मधुर होंगे ।	आपके लिए सफलता से भरा रहेगा। नौकरी आदि का प्रयास कर रहे हैं, तो आज सफल होंगे। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। परिवार में माता-पिता की स्वास्थ्य में लाभ होगा।
आप स्वास्थ्य को लेकर परेशान रह सकते हैं। पारिवारिक समस्याओं के कारण मन अशांत रह सकता है। पार्टनर से मतभेद हो सकते हैं।	आपका दिन परेशानियों से भरा रहेगा, स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। व्यापार आदि में हानि उठानी पड़ सकती है। लंबी यात्रा पर जाएं, तो वाहन आदि का उपयोग संभलकर करें।	आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। न्यायालय पक्ष में विजय प्राप्त होगी, सोचे हुए कार्य पूर्ण होंगे। मित्रों और संबंधियों का आर्थिक रूप से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।	आप कोई नया कार्य शुरू करेंगे। किसी विशेष व्यक्ति के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। माता-पिता परिवार के साथ आप किसी बड़े कार्य की योजना बना सकते हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय टीम की जीत पर खुश हुए मुख्य कोच गंभीर, खिलाड़ियों के लिए कही ये बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम ने बांग्लादेश को पहले टेस्ट के चौथे ही दिन 280 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दोनों टीमों के बीच अब अगला टेस्ट कानपुर में 27 सितंबर से खेला जाएगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर बांग्लादेश के खिलाफ चेनर्ई में खेले गए पहले टेस्ट मैच में टीम के प्रदर्शन से काफी खुश हैं। हाल ही में कोच की जिम्मेदारी संभालने वाले गंभीर ने भारतीय खिलाड़ियों की सराहना की है। गंभीर की यह कोच के रूप में पहली टेस्ट जीत है। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम ने बांग्लादेश को पहले टेस्ट के चौथे ही दिन 280 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दोनों टीमों के बीच अब अगला टेस्ट कानपुर में 27 सितंबर से खेला जाएगा। भारत की जीत के बाद गंभीर ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की और लिखा, 'शानदार शुरुआत, बहुत खूब लड़कों।' उन्होंने इसके साथ ही भारतीय टीम की एक फोटो भी शेयर की। गंभीर के कार्यकाल की शुरुआत जुलाई-अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ हुई सीमित ओवरों की सीरीज से हुई थी। भारत ने उस दौरे पर श्रीलंका को टी20 मैचों में 3-0 से हराया था, लेकिन वनडे सीरीज 0-2 से हार गई थी। हालांकि, गंभीर के टेस्ट प्रारूप में कार्यकाल की शुरुआत सकारात्मक तरीके से हुई है। पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ऑलराउंड प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। उन्होंने पहली पारी में विषम परिस्थितियों में शतक जड़ा और रवींद्र जडेजा के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए 199 रनों की साझेदारी की। इसके बाद दूसरी पारी में गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया और छह विकेट झटक कर बांग्लादेश को धूल चटाई। अश्विन को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टेस्ट में यह 10वीं बार था जब अश्विन को यह पुरस्कार दिया गया। भारत ने इस मैच में पहले दिन से ही अपना दबदबा बरकरार रखा था। अश्विन और जडेजा ने जहां टीम को मजबूत स्थिति पह पहुंचाया वहीं, शुभमन गिल और लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले ऋषभ पंत ने भी प्रभावित किया। भारत ने पहली पारी में 227 रनों की बढ़त हासिल की थी, लेकिन दूसरी पारी में शुभमन और पंत ने शानदार शतक जड़े और टीम को 514 रनों की बड़ी बढ़त हासिल करने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने इस तरह दूसरी पारी घोषित कर दी थी और बांग्लादेश के सामने 515 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था। बांग्लादेश की टीम तमाम कोशिश के बावजूद लक्ष्य से काफी पीछे रही और उसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा।

सम्पादकीय

अमेरिका में कांटे की टक्कर कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप में कौन जीतेगा चुनाव

ट्रंप की पिछले दस साल की राजनीति का अध्ययन करने से स्पष्ट है कि उनके जनाधार पर बहस में हार का खास असर नहीं पड़ता। हैरिस हारतीं तो उनकी मुश्किलें बढ़ सकती थीं। उनकी बढ़त उनके जनाधार को मजबूत करेगी जिसके सहारे वह ट्रंप को कड़ी टक्कर दे पाएंगी लेकिन इससे चुनाव में उनकी जीत पक्की हो गई हो ऐसा नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए चुनावों में उम्मीदवारों के बीच लगभग 65 वर्षों से होती आ रही टीवी बहसों में पिछले मंगलवार को उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बहस शायद सबसे महत्वपूर्ण थी। इससे

पिछली बहस में कमजोर पड़ने के कारण राष्ट्रपति बाइडन को चुनावी दौड़ से हटना पड़ा था। चुनावी बहसों के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ था। इस बार की बहस अमेरिका के इतिहास में पहली बार उम्मीदवार चुनी गईं भारत और अफ्रीकावंशी महिला और पूर्व राष्ट्रपति के बीच हो रही थी, जिससे अमेरिका के लोकतंत्र और विदेश नीति की दिशा तय होने वाली थी। आमराय यह है कि बहस में कमला हैरिस विजयी रहीं, क्योंकि बहस के तुरंत बाद के एक सर्वेक्षण में लगभग दो तिहाई दर्शकों ने कमला हैरिस के प्रदर्शन को बेहतर बताया। अमेरिकी चुनाव पर सट्टा लगाने वाले पालीमार्केट सट्टा बाजार में भी कमला हैरिस की जीत के भाव में तीन अंकों की तेजी दर्ज हुई। अपने प्रदर्शन से उत्साहित कमला हैरिस ने ट्रंप को एक और टीवी बहस की चुनौती दे डाली। ट्रंप ने उसका सीधा जवाब न देते हुए बहस संचालकों की तटस्थता पर सवाल उठाए, जो इसका संकेत है कि स्वयं वह भी अपने प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं, परंतु अहं के चलते ट्रंप अपने चिरपरिचित अंदाज में अपनी ही जीत के दावे करते फिर रहे हैं। विडंबना यह रही कि बहस देश और विदेश की नीतियों पर केंद्रित न रहकर निजी छींटाकशी, व्यक्तिगत हमलों और मिथ्या प्रचार में बदल गई। बहस की शुरुआत कमला हैरिस ने मंच पर डोनाल्ड ट्रंप के पास जाकर उनसे हाथ मिलाकर की। पहला सवाल अर्थव्यवस्था और महंगाई पर था। कमला हैरिस से पूछा गया कि पिछले चार वर्षों के बाइडन-हैरिस शासन में अमेरिका के आम नागरिक की जिंदगी बेहतर हुई है या खराब? इसका जवाब देते समय वह थोड़ा लड़खड़ाईं। परिवारों और छोटे कारोबारों के लिए टैक्स राहत की भावी योजनाएं गिनाते हुए वह बात पलट गईं और राष्ट्रपति ट्रंप की अमीरों को टैक्स राहत देने और 20 प्रतिशत बिक्री कर लगाकर आम लोगों की जिंदगी दूभर बनाने वाली नीतियों की आलोचना करने लगीं। आलोचना के जवाब में ट्रंप ने कमला हैरिस के कार्यकाल में महंगाई और अवैध आप्रवासन के अतिरंजनापूर्ण दावे किए, जिसके बाद छींटाकशी, व्यक्तिगत हमलों और मिथ्या दावों का दौर शुरू हुआ और बहस का स्तर गिरता चला गया। ट्रंप ने हैरिस को मार्क्सवादी, चरमपंथी और मिथ्यावादी बताया और कहा कि हंगरी के राष्ट्रपति विक्टर ओर्बान जैसे दबंग नेता और पुतिन, चीन और उत्तरी कोरिया जैसे देश भी उनका लोहा मानते हैं। कमला हैरिस ने ट्रंप पर चल रहे केस गिनाते हुए उन्हें दंगे उकसाने वाला और लोकतंत्र के लिए खतरा बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया उनकी कमजोरी पर हंसती है और पुतिन तो उनको 'हजम' कर सकते हैं। बहस में एक वक्ता के बोलते समय दूसरे का माइक बंद रखा गया था। इसलिए एक-दूसरे को टोकना तो संभव नहीं था, पर हैरिस ने ट्रंप का संतुलन बिगाड़ने के लिए अपनी भाव-भंगिमाओं का बखूबी इस्तेमाल किया। ट्रंप को सबसे अधिक ताव तब आया, जब हैरिस ने उनकी रैलियों पर कटाक्ष किया। उसके बाद वह अवैध आप्रवासी पालतू कुत्ते-बिल्ली मारकर खा रहे हैं और अस्पतालों में गर्भपात के नाम पर नवजात शिशुओं को मारा जा रहा है, जैसे बेसिर-पैर के दावे करने लगे। हैरिस ने भी ट्रंप द्वारा गर्भपात पर बैन लगाने और 20 प्रतिशत बिक्री कर लगाने जैसे मिथ्या दावे किए। ट्रंप की पिछले दस साल की राजनीति का अध्ययन करने से स्पष्ट है कि उनके जनाधार पर बहस में हार का खास असर नहीं पड़ता। हैरिस हारतीं तो उनकी मुश्किलें बढ़ सकती थीं। उनकी बढ़त उनके जनाधार को मजबूत करेगी, जिसके सहारे वह ट्रंप को कड़ी टक्कर दे पाएंगी, लेकिन इससे चुनाव में उनकी जीत पक्की हो गई हो, ऐसा नहीं है। जनमत सूचकांक बताते हैं कि हैरिस की इस जीत के बाद भी टक्कर कांटे की बनी हुई है। उत्तर और दक्षिण के जिन सात राज्यों में हार-जीत निर्णायक है, उनमें से विस्कोंसिन, मिशिगन और नवाडा में हैरिस आगे हैं जबकि एरिजोना और जाजिर्या में ट्रंप। अंतर इतना मामूली है कि दोनों में से कोई भी जीत सकता है। इनमें सबसे बड़ा राज्य पेंसिलवेनिया है, जहां टीवी बहस हुई थी। यहां दोनों उम्मीदवार बराबरी पर चल रहे हैं। जीत-हार इस बात पर निर्भर करेगी कि कौन अपने कितने अधिक समर्थकों से वोट डलवा सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपतीय चुनावों की प्रक्रिया काफी पेचीदा है। 50 राज्यों के अपने-अपने चुनावी नियम हैं। कुछ राज्यों में अग्रिम मतदान शुरू हो चुका है और अन्य में शुरू होने वाला है। ऐसे में अपने समर्थकों का मतदान सुनिश्चित करा पाना आसान काम नहीं है। 2016 में हिलेरी क्लिंटन अपने समर्थकों से पर्याप्त संख्या में वोट नहीं डलवा पाई थीं, इसलिए हार गई थीं। टीवी बहस में हैरिस के प्रदर्शन से आशा बंधी है कि वह अनिश्चय की स्थिति में फंसे मतदाताओं को लुभाने के साथ-साथ डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थकों को भी वोट डालने के लिए उत्साहित कर पाएंगी। उनका समर्थन रिपब्लिकन पार्टी के उन दिग्गज नेताओं ने भी कर दिया है, जो ट्रंप की नीतियों से नाराज हैं। इनमें पूर्व राष्ट्रपति बुश, उपराष्ट्रपति डिक चेनी, उनकी बेटी लिज चेनी और सीनेट के पूर्व नेता मिच मकानल शामिल हैं। मशहूर गायिका टेलर स्विफ्ट भी हैरिस के पक्ष में आ गई हैं। उनके प्रशंसकों की संख्या 25 करोड़ से भी अधिक है। इसलिए कुछ दिनों पहले उनके समर्थन का दावा ट्रंप ने भी किया था, जो गलत निकला। समर्थकों में उत्साह जगाने के साथ ही अनिश्चय में फंसे मतदाताओं को लुभाने के लिए अगले सात हफ्तों में विज्ञापनों की जंग लड़ी जाएगी। इसमें तथ्यों की कम और भारत के आम चुनावों जैसी-संविधान खतरे में है या मंगलसूत्र छीन लिए जाएंगे सरीखी मिथ्या बातें अधिक होंगी। इस चुनाव को लेकर सबसे बड़ी आशंका इसकी है कि कांटे की टक्कर होने और ट्रंप समर्थक सरकारों द्वारा कई राज्यों के चुनाव नियमों में किए गए परिवर्तनों के कारण समय पर परिणामों की घोषणा हो पाएगी या नहीं? होने पर भी क्या उन्हें स्वीकार किया जाएगा और क्या समय पर सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण हो पाएगा।

अविश्वसनीय चीन का मुकाबला, भारत को बीजिंग से निपटने के लिए कूटनीति में करने होंगे बदलाव

भारत का समान विचारधारा वाले देशों के साथ गठबंधन बनाने का विकल्प भी मजबूत परिणाम देने में सफल रहा है। क्वाड में अमेरिका भारत जापान और आस्ट्रेलिया शामिल हैं। यह संगठन चीन की विस्तारवादी नीतियों के खिलाफ प्रभावी है। हालांकि भारत केवल क्वाड जैसे मंचों पर ही निर्भर नहीं है बल्कि वह विविध भागीदारों के साथ

द्विपक्षीय रूप से जुड़कर भी अपनी क्षमताओं का निर्माण कर रहा है। डॉ. ऋषि गुप्ता। गलवन घाटी में वर्ष 2020 में भारतीय-चीनी सैनिकों के बीच सीमा विवाद को लेकर हिंसक झड़प हुई थी। तभी से दोनों पक्ष सैन्य वार्ता के माध्यम से इसको सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। हाल में इसमें थोड़ी प्रगति दिखी। भारतीय और चीनी सेना के आए सकारात्मक बयानों से सीमा पर शांति की उम्मीद जगी है। पिछले चार वर्षों में दोनों देशों की सेनाएं कई बार आमने-सामने आई हैं जिसके परिणामस्वरूप वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव बढ़ा। हालांकि इस तनाव की शुरुआत चीन ने की, लेकिन वह भारत को जिम्मेदार ठहराता है। यह उसका पुराना पैंतरा है। चीन ने 1988 के बाद से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति बनाए रखने सहित कई सीमा समझौतों का लगातार उल्लंघन किया है और यदि भारत ने प्रतिक्रिया दी है, तो यह अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए किया है। बीते दिनों रूस में ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक के मौके पर भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। बाद में भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने बताया कि सीमाई क्षेत्रों में शांति और सौहार्द तथा वास्तविक नियंत्रण रेखा का सम्मान द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति के लिए आवश्यक है और दोनों पक्षों को दोनों सरकारों द्वारा अतीत में किए गए प्रासंगिक द्विपक्षीय समझौतों, प्रोटोकाल और सहमतियों का पूरी तरह से पालन करना चाहिए। इस संदर्भ में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर का हाल में आया एक वक्तव्य भी काफी महत्वपूर्ण है जिसमें उन्होंने कहा कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सीमा संबंधी विवाद के लगभग 75 प्रतिशत हिस्से का समाधान किया जा चुका है। इस बात की पुष्टि चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने भी की, लेकिन क्या ये संकेत वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जून 2020 के पहले की यथास्थिति बहाल होने का संकेत देते हैं इसका उत्तर नकारात्मक होगा, क्योंकि यदि सही मायनों में देखा जाए तो सीमा विवाद में अब तक किसी तरह का कोई खास सुधार नहीं हुआ है। देपसांग और डेमचोक सीमा विवाद के दो प्रमुख बिंदु हैं, जो अभी भी हल नहीं हुए हैं। फिर नया क्या हुआ है? दरअसल नई बात यह हुई है कि दोनों पक्ष पहली बार कूटनीतिक माध्यम से काम करने तथा सीमा पर विवाद वाले क्षेत्रों में सेना की पूर्ण वापसी के लिए अपने प्रयासों को दोगुना करने पर सहमत हुए हैं। साथ ही चीन अब इस बात को अप्रत्यक्ष रूप से स्वीकार कर रहा है कि सीमा विवाद के बाद से भारत ने जिस तरह की नीतियां अपनाई हैं वह कारगर साबित हुई हैं। हाल में चीन के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स में एस. जयशंकर की आलोचना करते हुए लिखा गया था कि उन्होंने अपनी चीन नीति में जिन कूटनीतिक रणनीतियों को अपनाया वे तिकड़मों से भरी थीं। उनमें न तो जवाहरलाल नेहरू और न ही इंदिरा गांधी की कूटनीति का नैतिक बोध था। भले ही बाद में उसने इस आलेख को हटा दिया, लेकिन यह इस बात का साफ संकेत है कि चीन नेहरू और इंदिरा की चीन नीतियों के साथ सहज था, क्योंकि उस दौर में चीन एक मजबूत स्थिति में रहा, जो चीन को अब मुश्किल लग रहा है। भारत आज अमेरिका, रूस, चीन के बाद विश्व की चौथी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति और विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। यही चीन को रास नहीं आ रहा। नीतिगत पटल पर भी भारत की कई पहल चीन को हतप्रभ कर रही हैं। चीन के साथ अपने गहरे व्यापारिक संबंधों के बावजूद भारत अमेरिका जैसे देशों के साथ घनिष्ठ संबंध विकसित करके चीन पर अपनी निर्भरता को कम करने में सक्षम रहा है, खासकर सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में। भारत चीनी निवेश पर अपनी उच्च निर्भरता को कम करने के साथ नए निवेशक देशों से जुड़ा है। चीन स्थानीय निवेशकों से भारत में निवेश किए जाने को लेकर भी काफी दबाव में है। यदि चीन इस मुद्दे का समाधान नहीं कर पाया तो इसका असर उसकी आंतरिक राजनीति और आर्थिकी पर होगा। भारत का समान विचारधारा वाले देशों के साथ गठबंधन बनाने का विकल्प भी मजबूत परिणाम देने में सफल रहा है। क्वाड में अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया शामिल हैं। यह संगठन चीन की विस्तारवादी नीतियों के खिलाफ प्रभावी है। हालांकि भारत केवल क्वाड जैसे मंचों पर ही निर्भर नहीं है, बल्कि वह विविध भागीदारों के साथ द्विपक्षीय रूप से जुड़कर भी अपनी क्षमताओं का निर्माण कर रहा है। पदभार संभालने के पहले सौ दिनों से भी कम समय में मोदी प्रशासन ने पूर्वी एशियाई देशों मुख्य रूप से चीन के साथ विवाद का सामना करने वाले देशों जैसे-फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ब्रूनेई और सिंगापुर के साथ संपर्क स्थापित किया है। इन देशों के साथ व्यापार और रक्षा क्षेत्र में साझेदारियों के साथ भारत आसियान समूह की मजबूती पर भी जोर दे रहा है, जो इन संबंधों को और अधिक समावेशी बनाता है। यह द्विपक्षीय जुड़ाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में अगर डोनाल्ड ट्रंप की वापसी होती है तो मुमकिन है कि वह क्वाड जैसे मंच को इतनी प्राथमिकता न दें। ऐसे में आसियान समूह भारत के हिंद-प्रशांत में जुड़ाव को मजबूत रखेगा। जाहिर है भारत ने अपनी कूटनीति और सैन्य क्षमता से चीन को हर मोर्चे पर मजबूती से जवाब देने में सफलता हासिल की है, लेकिन इतने भर से यह मान लेना कि चीन सीमा क्षेत्र में अपनी सैन्य ताकत का और अधिक प्रदर्शन नहीं करने के साथ ही रातोरात सीमा क्षेत्रों में नए गांव बनाकर क्षेत्रीय दावे नहीं करेगा तो यह एक भूल होगी। भारत को चीन की तरफ से किसी भी अप्रत्याशित चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

हरियाणा में शह-मात और भितरघात, नतीजों को प्रभावित कर सकते हैं छोटे दल

कांग्रेस-भाजपा के घोषणापत्रों की बात करें वे आसपास खुली दो दुकानों पर लगे एक-दूसरे से ज्यादा 'आकर्षक सेल' के विज्ञापन जैसे नजर आते हैं पर मतदाता दोनों को दस-दस साल देख चुके हैं। इसलिए चुनावी वादों को अनुभव की कसौटी पर भी कसा जाएगा। कुछ धारणाओं की चर्चा अक्सर होती है। मसलन हरियाणा के मतदाता किसी को जिताने के लिए नहीं बल्कि किसी को हराने के लिए वोट करते हैं। हरियाणा को हल्के में लेना अक्सर

भारी पड़ जाता है। नामांकन वापसी और घोषणापत्र जारी होने के बाद की तस्वीर बताती है कि चुनाव एकतरफा नहीं होने जा रहा। दलबदल, टिकट वितरण और लोकलुभावन वादों से भी साफ है कि सत्ता के दावेदार चुनावी बिसात पर कोई कसर नहीं छोड़ने वाले। ऐसे में भितरघात के चलते सत्ता कोई भी करवट ले सकती है। कुछ विरोधी टिकट वितरण में निपटा दिए गए तो कुछ को चुनाव में ठिकाने लगाया जा सकता है। बेशक सत्ता के प्रमुख दावेदार भाजपा और कांग्रेस ही हैं, लेकिन मुकाबला बहुकोणीय होगा। अन्य दलों-निर्दलियों की भूमिका इनका खेल बनाने-बिगाड़ने की ज्यादा रहेगी। यदि कांग्रेस और भाजपा के घोषणापत्रों की बात करें तो वे आसपास खुली दो दुकानों पर लगे एक-दूसरे से ज्यादा 'आकर्षक सेल' के विज्ञापन जैसे नजर आते हैं, पर मतदाता दोनों को दस-दस साल देख चुके हैं। इसलिए चुनावी वादों को अनुभव की कसौटी पर भी कसा जाएगा। कुछ धारणाओं की चर्चा अक्सर होती है। मसलन, हरियाणा के मतदाता किसी को जिताने के लिए नहीं, बल्कि किसी को हराने के लिए वोट करते हैं। यह भी कि राज्य के मतदाता अमूमन उसी दल या गठबंधन को वोट करते हैं, जिसकी केंद्र में सरकार होती है या फिर बनने वाली होती है। ऐसे में कुछ स्वाभाविक सवाल हैं। मसलन 2019 के विधानसभा चुनाव में मतदाताओं ने किसे हराने के लिए वोट किया था कांग्रेस की जीत की संभावनाएं तब भी बताई गई थीं। फिर वह सबसे बड़े दल के रूप में उभरी भाजपा से भी नौ सीटें पीछे कैसे रह गई अब केंद्र में राजग सरकार है और अगले लोकसभा चुनाव 2029 में होंगे। ऐसे में हरियाणा के मतदाता किसे चुनेंगे? कई बार साबित हो चुका है कि भारत जैसे विविधतापूर्ण एवं बहुलतावादी देश में मतदाताओं का मन भांपना या उसे किन्हीं परंपराओं-धारणाओं में कैद करके देखना चुनावी पंडितों की खामख्याली भर है। क्या किसी ने 2019 में भविष्यवाणी की थी कि नवगठित जजपा 'किंग मेकर' साबित होगी? तब भाजपा ने 'अब की बार, 75 पार' का नारा दिया था। जजपा ने जवाब में भाजपा को 'यमुना पार भेजने' का नारा दिया था, लेकिन त्रिशंकु विधानसभा बनी तो दोनों ने गठबंधन कर लिया। साढ़े चार साल गठबंधन सरकार चलाने के बाद रास्ते अलग हो गए तो अब फिर एक दूसरे के विरुद्ध ताल ठोकी जा रही है। इसमें दो राय नहीं कि भाजपा के विरुद्ध दस साल की सत्ता विरोधी भावना के चलते इस बार कांग्रेस के लिए स्थितियां अपेक्षाकृत अनुकूल हो सकती हैं, लेकिन इस अतीत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि कांग्रेस जीती हुई बाजी हारने में माहिर हो चली है तो भाजपा हारी हुई बाजी जीतने में भी कोई कसर नहीं छोड़ती। दरअसल, भाजपा के लिए कांग्रेस से बड़ी चुनौती किसान आंदोलन, अग्निवीर योजना और महिला पहलवानों के धरना-प्रदर्शन से अपने विरुद्ध बना जनमानस है, क्योंकि सत्ता विरोधी भावना पांच साल से बढ़कर दस साल हो जाने के अलावा तो कांग्रेस के पक्ष में और कुछ नहीं। हां, इस बीच भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बढ़ते वर्चस्व के चलते कुलदीप बिशनेई और किरण चौधरी सरीखे दिग्गज कांग्रेस को अलविदा अवश्य कह गए हैं। अभी भी कांग्रेस में मौजूद दो राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा और रणदीप सिंह सुरजेवाला मुख्यमंत्री पद के लिए ताल ठोक ही रहे हैं। अंतर्कलह का आलम यह है कि एक दशक से भी ज्यादा समय से कांग्रेस हरियाणा में बिना संगठन चुनाव लड़ रही है। सांसदों को विधानसभा चुनाव न लड़वाने की नीति के नाम पर सैलजा और सुरजेवाला को तो टिकट नहीं ही मिला और उनके समर्थकों को भी टिकट देने में कंजूसी की गई। नतीजतन, चुनाव प्रचार में सैलजा और सुरजेवाला ज्यादा सक्रिय नजर नहीं आ रहे। टिकटों में लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा बताता है कि हुड्डा कांग्रेस के लिए अपरिहार्य हैं। टिकट वितरण के मामले में भाजपा में भी आंतरिक असंतोष-आक्रोश कम नहीं। आप, सपा और माकपा को कुछ सीटें देकर विपक्षी मोर्चे आइएनडीआइए की एकता की तस्वीर पेश करने से जुड़े राहुल गांधी के सोच की अंतिम परिणति यह हुई कि आप और सपा को धता बताकर दशकों से हरियाणा में बेअसर माकपा के लिए एक सीट छोड़ दी गई। बेशक कुछ सीटों पर भाजपा और कांग्रेस दोनों ही बागियों को मनाने में सफल रही है, लेकिन फिर भी राह निष्कंटक नहीं। 'अपनों' से ज्यादा 'गैरों' पर भरोसा जताना भी पाटिर्यों को भारी पड़ सकता है। अंबाला का मामला बेहद दिलचस्प है। पूर्व मंत्री निर्मल सिंह की हुड्डा से निकटता छिपी नहीं है। जब सैलजा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष थीं तो निर्मल सिंह ने अपनी बेटी चित्रा सरवारा के साथ पार्टी छोड़कर अलग संगठन बना लिया था। बाद में वह आप में चले गए। आप में उन्हें महत्व भी मिला, लेकिन हुड्डा का वर्चस्व बढ़ता देख पिता-पुत्री कांग्रेस में वापस लौट आए। कांग्रेस ने निर्मल को अंबाला शहर से टिकट भी दे दिया, लेकिन उनकी बेटी चित्रा अंबाला कैंट से निर्दलीय उम्मीदवार बन गई हैं। पिछली बार निर्दलीय लड़कर चित्रा 44 हजार वोट पाने में सफल रही थीं और भाजपा उम्मीदवार अनिल विज 20 हजार वोटों से जीत गए थे। जमानत मिलने और दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अरविंद केजरीवाल 'हरियाणा का बेटा' बनकर जब चुनाव प्रचार करेंगे तो सत्ता विरोधी वोटों का विभाजन बढ़ेगा ही, जिससे कांग्रेस को नुकसान और भाजपा को लाभ होगा। पिछली बार लगभग एक दर्जन सीटों पर हार-जीत का अंतर ज्यादा नहीं था। ऐसे में जीतें भले नहीं, लेकिन आप तथा इनेलो-बसपा-हलोपा और जजपा-असपा गठबंधनों को मिलने वाले वोट नतीजों को प्रभावित तो कर ही सकते हैं।

मजबूत होती भारत-अमेरिका मैत्री, देश के उत्थान के लिए ये दोस्ती जरूरी

वर्ष 2014 से अब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठ बार केवल एक देश की यात्रा की है और वह है

अमेरिका। अमेरिका को प्राथमिकता के पीछे मोदी का सोच यह है कि उससे भारत के उत्थान हेतु जितने लाभ प्राप्त होते हैं, उतने अन्य कहीं से प्राप्त नहीं होते। भारत के मुख्य लक्ष्य हैं-आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति, सैन्य शक्ति में बढ़ोतरी और भूराजनीतिक संतुलन। इन सबकी पूर्ति में अमेरिका की अहम भूमिका है। व्यापार में आज अमेरिका भारत का सबसे बड़ा साझेदार है। दोनों देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं का सालाना कारोबार लगभग 200 अरब डालर का है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अनुमान लगाया है कि 2030 तक यह व्यापार तीन गुना बढ़ सकता है। अन्य वाणिज्यिक साझेदारों के मुकाबले अमेरिका के साथ भारत को व्यापार अधिशेष होने की भी संतुष्टि है। भारत की राष्ट्रीय आय का करीब 50 प्रतिशत व्यापार से आता है और इसीलिए अमेरिका से भारत की आर्थिक उन्नति का सीधा संबंध है। आगामी दशकों में भारत को विशाल अर्थव्यवस्था बनाने के लिए अमेरिका के साथ व्यापार और विदेशी निवेश निर्णायक होंगे। हालांकि भारत में विदेशी निवेश के मोर्चे पर सिंगापुर और मारीशस को प्रथम एवं द्वितीय स्थान दिया जाता है, लेकिन वास्तव में तीसरे स्थान पर विराजमान अमेरिका ही हमारे देश में ठोस विदेशी पूंजी लेकर आता है। अमेरिकी निवेश से भारत में केवल सेवाओं को ही फायदा नहीं हुआ है, बल्कि औद्योगीकरण में भी उसकी अहम भूमिका है। मोटर वाहन, रसायन, इलेक्ट्रानिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, स्वच्छ ऊर्जा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और रक्षा जैसे विभिन्न विनिर्माण क्षेत्रों में अमेरिकी निवेशक भारत में सक्रिय हैं। उनके द्वारा लाखों भारतीयों को रोजगार मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी, जिन्होंने स्वयं के बारे में कहा है कि 'गुजराती होने के नाते व्यापर मेरे खून में है', भलीभांति जानते है कि अमेरिका जैसे संपन्न देश में बसे पूंजीपतियों को आकर्षित करके भारत लाने में ही राष्ट्र का हित है।

सभी मंडलों में कैम्प लगाकर सदस्यता अभियान चलाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। भाजपा के सदस्यता अभियान के तहत नोएडा महानगर में हर मंडल पर कैंप लगाकर सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। नोएडा महानगर द्वारा सभी मंडलों में सदस्यता कैंप लगाए जा रहे है और भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बनाया जा रहा है। जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने बताया कि अब तक नोएडा महानगर में 55000 से अधिक सदस्य बन गए है पार्टी के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है। जिला महामंत्री एवं सदस्यता प्रमुख उमेश त्यागी ने बताया कि 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल जी की जयंती पर सभी पदाधिकारियों को अपने अपने बूथ पर 100 सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया है जहां सभी पदाधिकारी 25 सितंबर को अपने अपने बूथों पर रहेंगे। आज महाराणा प्रताप मंडल में ग्राम निठारी में आयोजित सदस्यता कैम्प पर जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता, महिला आयोग सदस्य श्रीमती मीनाक्षी भराला एवं पूर्व विधायक नवाब सिंह नागर ने स्थानीय निवासियों को पार्टी की सदस्यता दिलवाई। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष गोपाल गौड़, प्रदीप चौहान, सत्यनारायण महावार, पंकज झा, लोकेश कश्यप, रवि प्रधान, संजय बाली, निर्मल सिंह, प्रज्ञा पाठक, उमेश यादव, मधु मेहरा, संजय बैसला,अमित नागपाल, नीरज चौहान, गोविंद कोरंगा, मदन राय, सुनील शर्मा,परविंदर बैरागी, संदीप अम्बावाता,सरिता, रवि अग्रवाल, संजय शर्मा उपस्थित रहे।

थाना चोपन पुलिस द्वारा ऍंई पोर्टल के माध्यम से ट्रेस कर खोये हुए 01 अदद एंड्रायड मोबाइल फोन को बरामद कर मोबाइल स्वामी को सुपुर्द किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। प्रवेश कुमार सिंह पुत्र रामनरायण सिंह निवासी ग्राम रेक्सहवा पोस्ट डाला थाना चोपन जनपद सोनभद्र का मोबाइल फोन जो दिनांक 28.08.2024 को कहीं खो गया था, जिसकी सूचना आवेदक द्वारा थाना चोपन पुलिस को दी गयी तो आवेदक के खोये हुये मोबाइल की डिटेल यूपी कॉप एप्लीकेशन के माध्यम से पोर्टल पर दर्ज कराया गया । पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ओशोक कुमार मीणा के कुशल निर्देशन में जनपद में खोये/गिरने से सम्बन्धित मोबाइल सेट की बरामदगी करने हेतु जनपद के समस्त थानों पर मोबाइल रिकवरी टीम गठित किया गया। इसी क्रम में थाना चोपन पुलिस टीम द्वारा कठिन परिश्रम करते हुये मल्टीमीडिया मोबाइल को सफलता पूर्वक बरामद कर आवेदक को सुपुर्द किया गया । जिसपर आवेदक एवं आमजन द्वारा पुलिस टीम की कोटि-कोटि प्रशंसा की गयी ।

बरामद करने वाली टीम का विवरण- 1.निरीक्षक विजय कुमार चौरसिया प्रभारी निरीक्षक थाना चोपन सोनभद्र । 2.कम्प्यूटर आपरेटर सुशील कुमार थाना चोपन सोनभद्र । 3.का0 सुनील कुमार यादव थाना चोपन सोनभद्र । 4.का0 सुभाष चन्द्र भारती थाना चोपन सोनभद्र ।

नेहरू के निजी खत प्रधानमंत्री संग्रहालय को सौंपें सोनिया गांधी', सदस्य रिजवान कादरी ने की मांग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय सोसायटी के

सदस्य रिजवान कादरी ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के निजी खत संग्रहालय को सौंपने की मांग की है। प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (पीएमएमएल) सोसायटी के सदस्य रिजवान कादरी ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के निजी खत संग्रहालय को सौंपने की मांग की है.. ताकि शोधाथियों को इतिहास का गहन अध्ययन करने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि इन पत्रों को डिजिटलाइज करने के बाद लौटा दिया जाएगा। 9 सितंबर को लिखे इस पत्र में 56 वर्षीय इतिहास के प्रोफेसर कादरी ने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू और उनके पिता पंडित मोतीलाल नेहरू ने अपने योगदान के महत्वपूर्ण अभिलेख छोड़े हैं, जो सौभाग्य से पीएमएमएल में संरक्षित हैं। मुझे बताया गया कि सोनिया गांधी के कार्यालय ने नेहरू के 51 बक्से वापस ले लिए थे। इनमें प्रथम प्रधानमंत्री के निजी खत रखे जाते थे। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि ऐसा इन अमूल्य धरोहरों की सुरक्षा के लिए सद्भावनापूर्वक किया गया होगा। हालांकि, यह सुनिश्चित करने के लिए यह जरूरी है कि ये रिकॉर्ड सुलभ रहें।

बॉलीवुड/टेली मसाला

अगर मैं आमिर खान का बेटा नहीं होता, तो शायद मुझे महाराज नहीं मिलती', जुनैद खान का कबूलनामा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने फिल्म 'महाराज' के साथ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की। हालांकि फिल्म बिना किसी प्रचार के रिलीज हुई, लेकिन टीम ने फिल्म के रिलीज होने के बाद इसके बारे में बात करना शुरू कर दिया था। अब हाल ही में, इस बात को स्वीकार किया कि फिल्म 'महाराज' उन्हें अपने पिता की वजह से ही मिली है। आइए जानते हैं कि जुनैद ने और क्या कहा है। बॉलीवुड में जब स्टारकिड्स अपने संघर्ष की बात कर रहे होते हैं तो दर्शक उनका मजाक बनाते हैं। हालांकि, कुछ स्टार किड्स इस बात को स्वीकार करते हैं कि उनकी सफलता का श्रेय उनके माता-पिता को भी जाता है। अब इसी क्रम में जब आमिर खान के बेटे जुनैद खान की बात आती है , तो वह अपने ईमानदार बयानों से सभी को चौंका देने के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में, एनडीटीवी के साथ एक इंटरव्यू के दौरान, अभिनेता ने अपने ऑडिशन के सफर के बारे में बात की और इस बात को स्वीकार किया कि अगर वह आमिर के बेटे नहीं होते, तो उनका पहला ओटीटी प्रोजेक्ट उनके हाथ से निकल जाता। जुनैद ने कहा, ठमैं यह भी स्वीकार करूंगा कि अगर मैं आमिर खान का बेटा नहीं होता तो शायद मुझे महाराज नहीं मिलती।ठ जुनैद की इस ईमानदारी ने उन्हें एक बार फिर दर्शकों का विश्वास, प्यार और सम्मान हासिल करने में मदद की। सोशल मीडिया पर सभी अभिनेता की खूब प्रशंसा कर रहे हैं। जुनैद ने यह भी बताया कि शुरुआत में उन्होंने कई प्रोजेक्ट्स के लिए ऑडिशन दिया, लेकिन कुछ भी फाइनल तक नहीं पहुंचा। उन्होंने ' लाल सिंह चड्ढा ' के लिए भी ऑडिशन दिया और उनके पिता आमिर ने उनकी काफी तारीफ की, लेकिन नए चेहरे के साथ बड़े बजट की फिल्म करने के रिस्क के कारण ऐसा नहीं हो सका।

कोल्ड प्ले को लेकर करण जौहर ने साझा किया खास पोस्ट, कहा- आप सब कुछ नहीं पा सकते

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इस वक्त पूरे देश में कोल्ड प्ले को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। यह एक ब्रिटिश ?लटर्नेटिव रॉक बैंड है, जिसे गायक क्रिस मार्टिन और गिटार वादक जॉनी बकलैंड ने साल 1996 में यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में गठित किया गया था। इस वक्त ये बैंड लगातार सुखिर्यां बटोर रहा है,क्योंकि साल 2025 दौरे के लिए उनके टिकट की बिक्री शुरू हुई, जो पलक झपकते ही बिक गई। सोशल मीडिया पर टिकट पाने और न पाने वालों की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ सी आ गई है। इनमें अब हिंदी फिल्मों के मशहूर निर्माता और निर्देशक करण जौहर भी शामिल हो गए हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक संदेश साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा आप वह सब कुछ नहीं पा सकते, जो आप चाहते हैं। करण जौहर आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा को कई शानदार और यादगार फिल्में दी हैं। आज, सोमवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है, जिसमें उन्होंने कोल्ड्प्ले की टिकट के प्रति क्रेज का जिक्र किया है। उन्होंने अपने पोस्ट के माध्यम से यह जताने की कोशिश की तमाम सुविधाओं और तमाम विशेष अधिकारों के बावजूद भी कुछ चीजें हैं, जो उनकी पहुंच से भी बाहर हैं। उन्होंने लिखा, प्रिय प्रिविलेज, मुझे यह पसंद आता है कि कोल्ड्प्ले और मिनी केली हमेशा आपको जमीन से जोड़े रखते हैं। आप हमेशा वह सब कुछ नहीं पा सकते जो आप चाहते हैं।बताते चलें कि कोल्ड प्ले साल 2025 में अपने म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स टूर के दौरान भारत में भी प्रदर्शन करेगा। ये लोकप्रिय बैंड 18, 19 और 21 जनवरी को डीवीआई पाटिल स्टेडियम में प्रदर्शन करेगा। इसे लेकर देश भर में जबर्दस्त उत्साह देखा जा रहा है। वहीं, करण जौहर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जिगरा' को लेकर व्यस्त चल रहे हैं। इस फिल्म से वह बतौर निर्माता जुड़े हैं। फिल्म इस साल 11 अक्तूबर को रिलीज होगी। फिल्म में आलिया भट्ट और वेदांग रैना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। हाल में ही कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि दिग्गज फिल्म निर्माता करण जौहर अब अपना ओटीटी डेब्यू करने वाले हैं। वह नेटफ्लिक्स के लिए एक बड़े बजट की वेब सीरीज बना रहे हैं। इसके लेकर कहा जा रहा है कि कास्टिंग की प्रकिया शुरू की जा चुकी है और कई मशहूर कलाकारों को एक साथ लाने की कोशिश की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक इसे साल 2025 में फिल्माया जाएगा और साल 2026 में रिलीज किया जाएगा।

काश हेमा मालिनी मेरी मां होतीं', ट्विंकल खन्ना ने क्यों जताई ऐसी इच्छा जानें पीछे की खास वजह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री और लेखिका ट्विंकल खनन अक्सर सुखिर्यों में बनी रहती है। वे सोशल मीडिया पर बड़ी बेबाकी से अपनी बातों को रखती नजर आती है। अब हाल ही में, ट्विंकल खनन ने कहा कि अरग हेमा मालिनी उनकी मां होतीं, तो वे साफ पानी के विषय पर चर्चा कर सकती थीं और उन्हें आजीवन मुफ्त प्यूरीफायर सप्लाई होता। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने और क्या कहा है ट्विंकल ने टाइम्स ऑफ इंडिया के लिए लिखे एक लेख में बताया कि हाल ही में उनके वॉटर प्यूरीफायर फिल्टर से टपकता पानी उन्हें ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी की याद दिलाता है।' उन्होंने लिखा, ठदेश में कोई भी हेमा जी से ज्यादा भारत को साफ पानी देने में दिलचस्पी नहीं रखता है। सालों तक वॉटर प्यूरीफायर का समर्थन करने के बाद, अब उन्होंने हमारी नदियों को साफ रखने का संदेश फैलाने के लिए गंगा के किनारे एक डांस भी परफॉर्म किया था। अभिनेत्री ने आगे लिखा, लेकिन क्या हमारे नागरिक उनकी अपील सुनेंगे, या यह ऐसा होगा कि आप घोड़े को जल तक तो ले जा सकते हैं, लेकिन उसे पिला नहीं सकते?ठ इसके बाद ट्विंकल ने लिखा कि उन्होंने हाल ही में अपनी मां-अभिनेत्री डिंपल कपाडि़या को उन चीजों के बारे में बताया, जो उन्हें काफी परेशान करता है। जैसे कि लोग सड़कों पर कूड़ा फेंकने से पहले दो बार नहीं सोचते या फिर लोग सड़कों के कोनों पर पान थूकने से पहले भी नहीं सोचते हैं।'जब अभिनेत्री ने मां डिंपल से देश में साफ सड़के, पानी, हवा न होने की शिकायत की, तो दिग्गज अभिनेत्री ने अपनी बेटी से कहा कि गणपति जुलूस के दौरान ध्वनि प्रदूषण कम होता है, जितना कि वह अभी कर रही हैं और फिर उन्होंने फोन रख दिया। इस पर मजाक करते हुए ट्विंकल ने लिखा, ठयह पहली बार नहीं है जब मैंने चाहा है कि काश हेमा मालिनी मेरी मां होतीं। न केवल हम साफ पानी के बारे में आराम से चर्चा कर सकते थे, बल्कि मुझे जीवन भर के लिए फ्री वाटर प्यूरीफायर भी मिल सकता था।

मोदी एंड यूएस' कार्यक्रम में वायरल रैपर हनुमानकाइंड ने दी प्रस्तुति, फिल्मों में भी आएंगे नजर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रैपर हनुमान काइंड इन दिनों काफी ज्यादा वायरल हैं। उन्होंने हाल में ही 'मोदी एंड यूएस' कार्यक्रम में पीएम मोदी के सामने अपने वायरल गीत बिग डॉग्स की प्रस्तुती दी है। इस दौरान वह प्रधानमंत्री से गले मिलते भी नजर आए। रैपर हनुमानकाइंड इन दिनों भारत सहित अन्य देशों में काफी चर्चित हो गए हैं। उन्होंने कुछ सप्ताह पहले ही अपना एक गाना 'बिग डॉग्स' यूट्यूब पर रिलीज किया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया। उनका ये गाना देखते ही देखते वैश्विक स्तर पर काफी ज्यादा लोकप्रिय हो गया। हनुमान काइंड उर्फ सोराज चेरुकट ने अब न्यूयॉर्क में 'मोदी एंड यूएस' कार्यक्रम में अपना इस वायरल गाने का प्रदर्शन किया है, जहां उन्होंने अपने शानदार प्रस्तुति से लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। भारत के प्रधानमंत्री इन दिनों अपने अमेरिकी दौरे पर हैं। इस दौरान न्यूयॉर्क में उनके स्वागत में 'मोदी एंड यूएस' कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जहां हजारों लोग जुटे हुए थे। इस कार्यक्रम में हनुमान काइंड ने भी अपने वायरल गीत पर प्रस्तुति दी, जिससे उन्होंने वहां मौजूद हजारों लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उनके प्रदर्शन से जुड़ी एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इसमें वह अपनी शानदार एनर्जी से वहां मौजूद लोगों में भी ऊर्जा का संचार करते नजर आ रहे हैं। हनुमान काइंड अपने लघु नाम एचएमके और औपचारिक नाम सोराज चेरुकट से जाने जाते हैं। वह मूल रूप से भारत के केरल से संबंध रखते हैं, लेकिन वह कई देशों में रहते हुए बड़े हुए हैं। इस वजह से उनके गाने और जीवन में विविधता हमेशा बनी रही। उनका परिवार लगातार एक देश से दूसरे देश में जाता रहा और अंत में ह्यूस्टन, टेक्सास में बस गया। इस वैश्विक परवरिश की वजह से वह कई सांस्कृतिक प्रभावों और संगीत शैलियों से परिचित हुए, जिसने उनकी अनूठी कलात्मक आवाज विकसित हुई। उनके शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने पीएम मोदी से भी मुलाकात की। इस दौरान पीएम उन्हें गले लगाते हुए जय हनुमान कहते सुनाई दिए। उन्होंने ने भी लोकप्रिय रैपर के गाने की प्रशंसा की। बताते चलें कि हनुमानकाइंड ने अपने गीत बिग डॉग्स से इंटरनेट पर धूम मचा दी है। ऊर्जा से भरपूर उनके इस गाने को 'मौत की दीवार' के अंदर शूट किया गया है।

लॉस एंजिल्स रवाना हुए जूनियर एनटीआर, बियॉन्ड फेस्ट 2024 में होगा 'देवरा' का वैश्विक प्रीमियर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जूनियर एनटीआर इन दिनों फिल्म देवरा को लेकर खूब सुखिर्यां बटोर रहे हैं। हाल ही में हैदराबाद में इस फिल्म के प्री रिलीज कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, लेकिन अत्यधिक भीड़ के कारण निर्माताओं को इस कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा था। इसके जूनियर एनटीआर ने भी एक वीडियो के जरिए फैंस से अपना दुख साझा किया था। इवेंट के रद्द होने के बाद अब अभिनेता अमेरिका के लॉस एंजिल्स के लिए रवाना हो गए हैं। हाल ही में उन्हें एयरपोर्ट पर देखा गया। बताया जा रहा है कि वह बियॉन्ड फेस्ट 2024 में भाग लेने के लिए अमेरिका गए हैं। इस समारोह में देवराः पार्ट 1 को अन्य अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों के साथ प्रदर्शित किया जाएगा। देवरा इस साल की एकमात्र भारतीय फिल्म है, जिसका फेस्टिवल में वैश्विक प्रीमियर हो रहा है। जूनियर एनटीआर आज (23 सितंबर) सुबह-सुबह भारी सुरक्षा के बीच लॉस एंजिल्स के लिए रवाना होते हुए देखा गया। एयरपोर्ट पर उनके आगमन के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वीडियो में वह स्टाइलिश लुक में नजर आ रहे हैं। बियॉन्ड फेस्ट की बात करें तो यह एक लोकप्रिय फिल्म फेस्टिवल है जिसमें समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्में दिखाई जाती हैं। देवरा से पहले जूनियर एनटीआर और राम चरण की ब्लॉकबस्टर फिल्म आरआरआर का भी प्रदर्शन इस फेस्ट में हो चुका है। बियॉन्ड फेस्ट के आधिकारिक पेज के अनुसार इस साल चार थिएटरों में करीब 82 फीचर फिल्में दिखाई जाएंगी। देवरा के साथ इस समारोह में सलेम्स लॉट, गॉडजिला माइनस वन, द अप्रेंटिस और शिन गॉडजिलाः ऑथीक्रोमैटिक जैसी फिल्में भी में दिखाई जाएंगी। फिल्म देवरा की बात करें तो इस फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ सैफ अली खान, जान्हवी कपूर और प्रकाश राज भी हैं। यह फिल्म 27 सितंबर को बड़े पर्दे पर आएगी। इसका निर्देशन कोरतल्ला शिवा ने किया है।

पैर छूने पर बिग बी ने अभिषेक बनर्जी को लगाई थी जोरदार डांट, कहा- ऐसा मत करो

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रिलीज के इतने दिन बाद भी 'स्त्री 2' बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़ रही है। फिल्म में 'जना' का किरदीर निभाकर सुखिर्यां बटोरने वाले अभिषेक बनर्जी स्त्री 2 की सफलता का अभिषेक बनर्जी ने अमिताभ बच्चन के साथ अपनी आगामी फिल्म 'सेक्शन 84' की शूटिंग शुरू कर दी है। अब हाल ही में, जना का किरदार निभाने वाले अभिषेक बनर्जी ने सदी के महानायक अमिताभ बच्चन से अपनी पहली मुलाकात को लेकर कुछ दिलचस्प खुलासे किए हैं। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है। अमिताभ बच्चन से अपनी पहली मुलाकात के बारे में बात करते हुए अभिषेक बनर्जी ने बताया कि जब वह पहली बार मेगास्टार से मिले थे, तो उन्होंने उनके पैर छुए थे। लेकिन उन्हें यह देखकर आश्चर्य हुआ कि बिग बी ने उन्हें डांटते हुए कहा कि ऐसा मत करो। अभिनेता ने कहा कि मैं बस उनका सम्मान कर रहा था और वह नाराज हो गए। इसलिए वह सोचने लगे कि मैं उनके साथ कैसे घुल-मिल सकता हूं। अभिषेक ने आगे कहा कि वह जो भी परफॉर्म करते हैं, उसमें वह बिग बी को अपने तरीके से श्रद्धांजलि देते हैं।

इम्तियाज अली ने इस बात के लिए की रणबीर कपूर की तारीफ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इम्तियाज अली बॉलीवुड के मशहूर और सफल निर्देशक हैं। उन्होंने हाल में ही रणबीर कपूर की उनकी कला पर अच्छी पकड़ और फिल्म निर्माण की समझ को लेकर तारीफ की है। इम्तियाज अली एक मशहूर बॉलीवुड निर्देशक हैं। उन्होंने कई यादगार और बेहतरीन फिल्में बनाई हैं। उन्हें 'जब वी मेट', 'रॉकस्टार', 'तमाशा' आदि फिल्मों के लिए जाना जाता है। इम्तियाज ने अपने करियर के दौरान कई बॉलीवुड सितारों के साथ काम किया है। इस वजह से उन्हें अधिकतर सितारों की खूबियां और खामियों का पता है। उन्होंने बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रणबीर कपूर के साथ भी काम किया है। हाल में ही उन्होंने रणबीर कपूर की तारीफ की और कहा कि उनमें फिल्म निर्माण की समझ और शिल्प कला का अद्भुत मिश्रण है। बज्जूका इवेंट्स के साथ बातचीत के दौरान निर्माता-निर्देशक से एक दिलचस्प सवाल पूछा गया था। उनसे सवाल किया गया कि उनके हिसाब से बॉलीवुड का वो अभिनेता कौन है, जो अपने शिल्प कला में अद्भुत है और फिल्म निर्माण को भी अच्छे से समझता है, जो अली के निर्देशन में भी मददगार हो।

लोकप्रिय बंगाली अभिनेता मनोज मित्रा अस्पताल में भर्ती, हालत नाजुक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। वरिष्ठ बंगाली अभिनेता मनोज मित्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 85 वर्षीय एक्टर को सांस लेने में तकलीफ व उम्र संबंधी अन्य परेशानियों के चलते भर्ती कराया गया है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। लोकप्रिय बंगाली अभिनेता मनोज मित्रा अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें उम्र संबंधी दिक्कतों के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी सेहत काफी नाजुक बताई जा रही है। मनोज मित्रा रंगमंच की दुनिया का भी चर्चित चेहरा रहे हैं। चिकित्सा अधिकारियों के मुताबिक मनोज मित्रा की स्वास्थ्य स्थिति नाजुक है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक डॉक्टरों की तरफ कहा गया है कि एक्टर को सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा 85 वर्षीय एक्टर सोडियम-पोटेशियम असंतुलन तथा अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का भी सामना कर रहे हैं।वरिष्ठ अभिनेता का उपचार कर रहे डॉक्टरों में से एक ने रविवार शाम न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, 'मनोज मित्रा की हालत बहुत गंभीर है। उन्हें निगरानी में रखा गया है'। तपन सिन्हा की 'बंछारामर बागान' जैसी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय के लिए मशहूर मनोज मित्रा ने दिग्गज निर्देशक सत्यजीत रे की क्लासिक फिल्मों 'घरे बाइरे' और 'गणशत्रु' में भी अभिनय किया है। 85 वर्षीय अभिनेता ने दिग्गज निर्देशकों बुद्धदेब दासगुप्ता, बासु चटर्जी, तरुण मजूमदार, शक्ति सामंत और गौतम घोष की फिल्मों में भी अभिनय किया। इसके अलावा उन्होंने 100 से अधिक नाटक भी लिखे हैं। अनेक पुरस्कारों के अलावा, मनोज मित्रा को वर्ष 1985 में सर्वश्रेष्ठ नाटककार के लिए संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार भी मिला।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपीएसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।